RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-332 जयपुर, बुधवार, 03 जून 2026 मूल्य-4 रुपये

लेबनान पर हमले से ट्रम्प नाराज, नेतन्याहू को फोन कर फटकार लगाई

तेल अवीव/वॉशिंगटन डीसी

ट्रम्प ने सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात करते हुए लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में नेतन्याहू को 'पागल' कह दिया और उन पर एहसान न मानने का आरोप लगाया। लेबनान पर हमले के बाद ईरान ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि अगर इजराइली कार्रवाई जारी रही तो वह अमेरिका के साथ चल रही बातचीत छोड़ सकता है। इससे नाराज ट्रम्प ने नेतन्याहू को फोन किया।

सूत्रों के मुताबिक, ट्रम्प ने गुस्से में कहा- तुम पागल हो गए हो क्या? आखिर तुम कर क्या रहे हो। मेरा एहसान मानो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। मैं तुम्हें बचा रहा हूं। लेकिन अब हर कोई तुमसे नाराज है। हर कोई इजराइल से भी नाराज है।अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रम्प खास तौर पर इस बात से परेशान थे कि लेबनान में बड़ी संख्या में आम नागरिक मारे जा रहे हैं और एक हिजबुल्लाह कमांडर को निशाना बनाने के लिए पूरी इमारतें गिराई जा रही हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में आज शपथ लेंगे डी.के. शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत सीएम डी.के. शिवकुमार बुधवार को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावरचंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्य भी पद व गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम व इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया है।

सरकार ने सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव को हटाया, टेंडर की जांच के आदेश

आज री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को ऑन स्क्रीन मार्किंग विवाद के बीच CBSE के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा ह्रस्रूसर्विस के टेंडर और खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है।

इनकी जगह सरकार ने सीनियर IAS ऑफिसर लोखंडे प्रशांत सीताराम को CBSE का नया चेयरमैन और वरुण भारद्वाज को सचिव नियुक्त किया है। प्रशांत लोखंडे 2001 बैच के AGMUT (अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी हैं। वहीं, वरुण भारद्वाज साल 2008 बैच के भारतीय सूचना सेवा अधिकारी है।

OSM प्रणाली में गड़बड़ी का खुलासा करने वाले 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत आज दोपहर एक बजे संसद की स्थायी समिति के सामने पेश हुए। ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मामले में कोई स्टूडेंट अपनी बात रखने के लिए बुलाया गया।

दरअसल, 13 मई को CBSE ने 12वीं का रिजल्ट जारी किया था। इस बार पहली बार कॉपियां कंप्यूटर स्क्रीन (OSM सर्विस) पर चेक की गई थीं। रिजल्ट आने के बाद कई छात्रों ने नंबरों को लेकर शिकायत की, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गई है।

सीबीएसई का अंकों के सत्यापन व उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए मंगलवार को ऑनलाइन पोर्टल सक्रिय हो गया। वहीं सीबीएसई के री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर फिर साइबर अटैक हुआ। सीबीएसई के अनुसार, 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। हालांकि साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा व दोपहर 3 बजे तक 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया।

पोर्टल पर साइबर अटैक हुआ

उधर, CBSE के री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक हुआ। CBSE के अनुसार, 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। हालांकि, साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा और दोपहर 3 बजे तक 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया। यह पोर्टल सोमवार से शुरू होना था।

सार्थक सिद्धांत ने संसद की स्थायी समिति के सामने ह्रस्रू प्रणाली के लागू होने और इसके टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर अपनी बात रखी। सार्थक सिद्धांत ने कहा, 'मेरे ब्लॉग के अनुसार कम से कम 15 खामियां हैं।' इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने CBSE से कोएम्प्ट को टेंडर देने को लेकर बोर्ड से रिपोर्ट मांगी।

संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने बताया, 'सार्थक ने समिति के समक्ष अपनी बात रखी है। अब समिति उनके उठाए गए मुद्दों और CBSE के जवाबों पर विचार करेगी।'

CBSE ने भी स्वीकार कीं गड़बड़ियां

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, CBSE अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान करीब 20 मामलों में उत्तर पुस्तिकाएं आपस में बदल गई थीं। इसके अलावा गलत ग्रेडिंग, मूल्यांकन संबंधी त्रुटियां और तकनीकी समस्याओं की शिकायतें भी मिलीं।

गुजरात में 2 बसों की टक्कर में 7 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

एक बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी बस से टकराई

सूरत

गुजरात के सूरत जिले के बारडोली के निकट उवा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार शाम महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एसटी) की दो बसों के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद एक बस में आग लग गई, जिससे सात यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। अभी मृतकों और घायलों की शिनाख्त नही हो सकी है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। हादसे की जानकारी पर पुलिस, फायर ब्रिगेड व प्रशासन की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं और तत्परता से राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

बताया जा रहा है कि इस हादसे का कारण हाइवे पर एक टैंकर का पलटना बना। इस टैंकर को बचाने के प्रयास में पीछे से आ रही महाराष्ट्र परिवहन निगम की एक बस के चालक ने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया। उसकी अनियंत्रित बस डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा की लेन में पहुंच गई व सामने से आ रही दूसरी एसटी बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बस पलट गई। दुर्घटनाग्रस्त बसों में से एक सीएनजी संचालित थी, जिसके कारण टक्कर के कुछ ही क्षण बाद उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। कई यात्री बस में फंस गए, जबकि अन्य यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू करने के साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सूरत के कलेक्टर तेजस पटेल ने सात लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया प्रशासन की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है ताकि मृतकों की संख्या न बढ़े।

एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल परीक्षण

हवा से जमीन पर 300km तक हमला करेगी

नई दिल्ली

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने मंगलवार को एंटी-रेडिएशन मिसाइल रुद्रम-2 का सफल टेस्ट किया है। यह टेस्ट वायुसेना के Su-30MKI फाइटर जेट से किया गया। ये मिसाइल हवा से जमीन पर 300km की तक की रेंज में दुश्मन को खत्म करेगी।

रुद्रम-2 मिसाइल को दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम और रडार, कम्युनिकेशन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी नेटवर्क को खत्म करने के लिए बनाया गया है। यह मिसाइल दुश्मन के रडार बंद होने पर भी उसे खोजकर खत्म करेगी। इस मोड में मिसाइल दुश्मन के बंकर, एयरस्ट्रिप, भूमिगत एयरक्राफ्ट हैंगर, रडार और सैन्य ठिकानों पर सटीक हमला कर सकती है।

इस भूमिका में इसका प्रमुख टारगेट रडार स्टेशन, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी केंद्र, कम्युनिकेशन और जैमिंग सिस्टम होते हैं।

किसी भी देश की हवाई सुरक्षा काफी हद तक उसके रडार सिस्टम पर निर्भर करती है। रडार ही दुश्मन के विमान, मिसाइल और ड्रोन का पता लगाकर सेना को समय रहते चेतावनी देते हैं।

सैन्य भाषा में दुश्मन की हवाई सुरक्षा को कमजोर करने वाले ऐसे अभियान को SEAD (सप्रेशन ऑफ एनिमी एयर डिफेंस) कहा जाता है।

किश्तवाड़ में 2 जगह बादल फटा, लैंडस्लाइड से सड़कें बंद

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को दो जगह बादल फटे है। पहला बादल सरथल के गहन इलाके में और दूसरा माछीपाल क्षेत्र में फटा है। कुछ इलाकों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई है।अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस, रेड क्रॉस, राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

इधर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश से 5 लोगों की मौत हो गई। एमपी के नीमच में सोमवार रात मकान की छत ढहने से मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं, राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर में दीवार ढहने से दो बच्चों सहित 3 लोगों की जान चली गई।

राजस्थान में अगले दो आंधी-बारिश संभव

जयपुर। प्रदेश में एक और नया पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से 3-4 जून को पुनः बीकानेर, जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं -कहीं तेज अंधड़ (हवा की गति 60 -70 किमी प्रतिघंटा) के साथ मध्यम से तेज बारिश की मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की। आंधी बारिश के प्रभाव से आगमी एक सप्ताह अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 43 डिग्री से नीचे दर्ज होने व हीटवेव से राहत बने रहने की संभावना है।

मंगलवार को भी प्रदेश के कई शहरों का मौसम बदला नजर आया। बादल छाए रहने के साथ हवाएं चली। इससे शहरों के पारे में 2 से 8 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की। मंगलवार को 42.2 डिग्री के साथ फलौदी का दिन और 30 डिग्री के साथ संगरिया की रात सबसे गर्म रही।

नकली खाद बनाने का खेलः 3 कट्टे संदिग्ध उर्वरक और 750 कट्टे औद्योगिक नमक बरामद

जयपुर

हरमाड़ा थाना क्षेत्र के सीकर रोड स्थित रामलियावाला इलाके में कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए कथित नकली खाद निर्माण और अवैध भंडारण के एक संदिग्ध मामले का खुलासा किया है। विभागीय टीम ने एक गोदाम पर छापा मारकर भारी मात्रा में संदिग्ध उर्वरक, औद्योगिक नमक, दानेदार कच्चा पदार्थ, साबुन कण तथा अन्य सामग्री बरामद की। मामले में गोदाम को सीज कर संचालकों के खिलाफ हरमाड़ा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

कृषि अधिकारी सावरमल यादव की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार विभाग को लंबे समय से संदिग्ध तरीके से खाद तैयार करने, भंडारण की शिकायतें मिल रही थीं। 29 मई को रामलियावाला क्षेत्र स्थित एक गोदाम पर सर्च अभियान चलाया। मौके पर पहुंचने पर अधिकारियों ने पाया कि गोदाम के बाहर या अंदर किसी फर्म, कंपनी अथवा लाइसेंसधारी प्रतिष्ठान का बोर्ड नहीं लगा हुआ था।

जांच के दौरान गोदाम से तीन कट्टे संदिग्ध डीएपी, एक कट्टा संदिग्ध एमओपी, 750 कट्टे औद्योगिक नमक, 867 कट्टे काले-भूरे रंग का दानेदार कच्चा पदार्थ व 56 कट्टे साबुन कण बरामद किए। इसके अलावा पोटाश के 25 खाली कट्टे, रंग मिला हुआ नमक और रंगाई-पैकिंग में प्रयुक्त सामग्री भी मिली। जांच में आशंका जताई कि इन सामग्रियों का उपयोग खाद जैसे उत्पाद तैयार कर बाजार में खपाने के लिए किया जा रहा था।

सीजेआई सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के पांच नए जजों को दिलाई शपथ

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय को पांच नये जज मिले हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मंगलवार को इन पांचों जजों को शपथ दिलाई। इन पांच जज के साथ सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या 37 हो गई है। मुख्य न्यायाधीश ने जस्टिस शील नागू, जस्टिस चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा, जस्टिस अरुण पल्ली और जस्टिस वी मोहन को उच्चतम न्यायालय के जज के रुप में शपथ दिलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय के लिए इन जजों की नियुक्ति की थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई को हुई बैठक में इन जजों की नियुक्ति की अनुशंसा की थी।

जयपुर में भाजपा नेता की गला रेतकर हत्या

कबाड़ के गोदाम में खून से लथपथ मिले, धरने पर बैठे परिजन और ग्रामीण

जयपुर

जयपुर के मनोहरपुर इलाके में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की हत्या कर दी गई। वे सोमवार रात कबाड़ गोदाम में खून से लथपथ मिले थे। परिवार वालों का आरोप है कि गला रेतकर उनका मर्डर किया गया है। SHO सुरेन्द्र सिंह ने बताया- मनोहरपुर कस्बा निवासी रामावतार असवाल उर्फ पप्पू (55) की हत्या की गई। मनोहरपुर बस स्टैंड के पास उनका कबाड़ का गोदाम है। वे सोमवार रात को गोदाम पर थे।

शुरुआती जांच में सामने आया कि सोमवार शाम करीब 7:30 बजे एक व्यक्ति गोदाम पर आया था। वह धारदार हथियार से गला रेतकर भाग गया। काफी देर तक घर नहीं आने पर परिवार वालों को चिंता हुई। जब परिवार के सदस्य गोदाम पहुंचे तो होश उड़ गए। लहूलुहान रामावतार गोदाम में पड़े थे। उन्हें निम्स हॉस्पिटल ले जाकर पुलिस को सूचना दी गई। हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

मनोहरपुर पुलिस ने सोमवार रात करीब 12:30 बजे फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (FSL) की टीम को मौके पर बुलाकर सबूत जुटाए। बीजेपी नेता की हत्या की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में गांव वाले परिवार वालों के साथ थाने के सामने इकट्ठे हो गए थे। पुलिस ने गोदाम और उसके आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

एडिशनल एसपी रणवीर सिंह ने कहा कि रामावतार असवाल ने अपने बचाव की भी कोशिश की होगी। इस कारण धारदार हथियार से उनकी कलाई पर भी गहरा घाव है। परिवार वालों से बात चल रही है। जल्दी ही गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

विराट कोहली आईपीएल जीतने के बाद प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे

पत्नी अनुष्का भी साथ थीं, वृंदावन आश्रम में दोनों नंगे पैर चलते नजर आए

मथुरा

आईपीएल जीतने के बाद क्रिकेटर विराट कोहली और पत्नी अनुष्का शर्मा ने वृंदावन में संत प्रेमानंद के दर्शन किए। दोनों मंगलवार सुबह 7 बजे केली कुंज आश्रम पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर कार से उतरे और नंगे पांव आश्रम के अंदर गए।

संत प्रेमानंद के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन और त्रिपुंड लगा था। उनके हाथ में एक किताब भी थी। प्रेमानंदजी से मिलने के बाद 150 मीटर दूर दोनों बड़े गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पैदल पहुंचे। यहां हित गोविंद शरण महाराज के दर्शन किए। इससे पहले, विराट और अनुष्का ने इसी साल 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन भी संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए थे और सत्संग सुना था।

बंगाल में टीएमसी तोड़ सकते हैं निकाले गए विधायक

बोले- हम असली तृणमूल, 50 से ज्यादा एमएलए साथ, नेता विपक्ष हमारा हो

कोलकाता

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस दो गुटों में बंट सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं।

रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। बंगाल में TMC के 80 विधायक हैं। नए गुट को मान्यता के लिए दो-तिहाई यानी 54 विधायकों की जरूरत होगी। इससे कम विधायक होने पर स्पीकर नए गुट को मान्यता नहीं देंगे। टूट का दावा करने वाले रिजू दत्ता विधायक नहीं है।

इधर, सोमवार को TMC से निकाले गए 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने कोलकाता के MLA हॉस्टल में TMC के कई विधायकों के साथ मीटिंग की। इसमें ममता के कई खास विधायक भी शामिल हुए।

फर्जी साइन की शिकायत करने पर निकाले गए 2 विधायक

सोमवार को ममता बनर्जी ने TMC से 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी से निकाल दिया था। दोनों ने स्पीकर से शिकायत की थी कि पार्टी ने शोभनदेव को नेता विपक्ष बनाने वाले प्रस्ताव में उनके उनके फर्जी साइन किए थे। साहा और बनर्जी का आरोप है कि यह शिकायत करने पर ही दोनों TMC से निकाले गए।

अभिषेक बनर्जी को लेकर गुस्से में विधायक

विपक्ष के नेता की नियुक्ति का मुद्दा तृणमूल को दो हिस्सों में बांटता हुआ दिख रहा है। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद से टीएमसी के भीतर असंतोष और फूट दिन-ब-दिन गहराती जा रही है। सूत्रों का कहना है कि नेताओं का गुस्सा पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी पर है न कि उसकी नेता ममता बनर्जी पर।

ट्विशा केसः पति और सास को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

गिरिबाला का आरोप- ट्विशा के वकील ने बेटे समर्थ से मारपीट की

भोपाल

सीबीआई की विशेष अदालत ने ट्विशा शर्मा के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीबीआई ने दोनों आरोपियों की पुलिस रिमांड नहीं मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा।

इससे पहले भोपाल के ट्विशा शर्मा डेथ केस में रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को गिरिबाला और समर्थ को सीबीआई ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट रूम के अंदर दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस हुई। सुनवाई के दौरान गिरिबाला ने आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने जबलपुर कोर्ट में उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की। इस पर अनुराग श्रीवास्तव ने जवाब देते हुए कहा कि जबलपुर कोर्ट में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। अगर ऐसा हुआ है तो कोर्ट की फुटेज निकलवा कर जांच कर ली जाए।

अनुराग श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि समर्थ को बताना चाहिए कि वह जबलपुर कोर्ट में कहां छिपे थे। उन्होंने कहा कि कोर्ट भी इस सवाल का जवाब देगा। मामले की जांच के दौरान आरोपी समर्थ और उसकी मां, पूर्व जज गिरिबाला सिंह ने अपने ऊपर लगे मारपीट और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज किया।

विजय को दोहरी खुशीः राज्यसभा में टीवीके की दस्तक और त्रिची में आभार यात्रा

चेन्नई।

मुख्यमंत्री बनने के बाद तमिलनाडु के थलपति विजय के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। उनकी नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को जल्द ही राज्यसभा में अपना पहला सांसद मिल सकता है, जो उनके राजनीतिक कद को बढ़ाएगा। इसके साथ ही, विजय सोमवार को त्रिची ईस्ट में अपने मतदाताओं का आभार व्यक्त करने भी जा रहे हैं, जहाँ उन्होंने हालिया चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह दोहरी खुशी विजय के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

तमिलनाडु से राज्यसभा की एक रिक्त सीट को भरने के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो रही है। यह सीट ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता सी. वी. षणमुगम के इस्तीफे के बाद खाली हुई है, जिन्होंने हाल ही में मैलाम विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल की है। टीवीके के पास राज्य विधानसभा में सरकार बनाने के लिए पर्याप्त बहुमत नहीं था, लेकिन कांग्रेस के समर्थन से उन्होंने सरकार बनाई, और अब उनकी पार्टी का उच्च सदन में खाता खुलना विजय के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक उपलब्धि होगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि टीवीके इस सीट के लिए अपना उम्मीदवार उतारेगी या अपने सहयोगी दल, खासकर कांग्रेस को आवंटित करेगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, नामांकन-पत्र 1 से 8 जून तक दाखिल किए जा सकते हैं, जिनकी जांच 9 जून को होगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है। मतदान 18 जून को होगा, जिसके बाद उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू हो जाएगी।इस बीच, मुख्यमंत्री विजय सोमवार को त्रिची ईस्ट विधानसभा क्षेत्र का दौरा करने वाले हैं, ताकि वे मतदाताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकें। यह 10 मई को मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद त्रिची ईस्ट का उनका पहला दौरा होगा। विजय ने हालिया चुनावों में चेन्नई की पेरम्बूर

और त्रिची ईस्ट दोनों सीटों से जीत दर्ज की थी, लेकिन बाद में उन्होंने त्रिची ईस्ट सीट से इस्तीफा दे दिया, जहाँ उन्होंने 27,000 से अधिक वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

ममता के गढ़ और रसूखदार नेताओं को हराने वालों को मिली सुवेंदु कैबिनेट में जगह

सुवेंदु ने मिशन सोनार बांग्ला की ओर बढ़ा दिए कदम

कोलकाता।

सोमवार को पश्चिम बंगाल की सियासत में एक नया और बेहद महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी कैबिनेट का पहला विस्तार किया। कोलकाता के राजभवन में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 35 विधायकों ने मंत्री पद की गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आर.एन. रवि ने सभी नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस विस्तार के साथ, सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के गढ़ों को भेदने वाले अपने सबसे भरोसेमंद और आक्रामक चेहरों को सरकार की कमान सौंपी है, जो एक स्पष्ट संदेश है कि नई सरकार विकासोन्मुखी और मुखर रहेगी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1ए) के तहत, किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इस संवैधानिक प्रावधान के अनुसार, पश्चिम बंगाल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार को 35 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद, सुवेंदु कैबिनेट ने अब अपना महत्वपूर्ण आकार ले लिया है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ युवा और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों (एमओएस) को भी प्राथमिकता दी गई है, जिसमें राजेश महता, इंद्रनील खान और मालती रावा रॉय जैसे नाम शामिल हैं। सुवेंदु कैबिनेट विस्तार की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें उन चेहरों को पुरस्कृत किया गया है जिन्होंने हाल के चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस के बड़े किलों और रसूखदार नेताओं को भारी अंतर से परास्त किया था। अर्जुन सिंह, तापस रॉय, स्वपन दासगुप्ता, शंकर घोष और पूर्व क्रिकेटर

अशोक डिंडा जैसे कद्दावर नेताओं को कैबिनेट में जगह देकर मुख्यमंत्री सुवेंदु ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार आक्रामक और लोक-केंद्रित एजेंडा पर चलेगी। यह फेरबदल न केवल प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि भाजपा के जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ बनाने की रणनीति का भी हिस्सा है। कुल 35 मंत्रियों ने शपथ ली, जिसमें 23 प्रमुख मंत्रियों की एक प्रभावशाली सूची है। फलाकाटा से दीपक बर्मन, मानिकतला से तापस रॉय, सिलीगुड़ी से शंकर घोष, और राशबिहारी से स्वपन दासगुप्ता जैसे दिग्गज इसमें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, तुफानगंज से मालती रावा रॉय, गोपीबल्लभपुर से राजेश महता और बेहाला पश्चिम से इंद्रनील खान जैसे युवा चेहरों को स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

पूर्व क्रिकेटर अशोक डिंडा (मोयना से) और नोआपारा से अर्जुन सिंह जैसे वे नेता जिन्होंने टीएमसी के गढ़ों में जीत दर्ज की, इस नई टीम का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक नए दौर का संकेत है।

निपुणता और सिखाने की क्षमता हो, वही श्रेष्ठ शिक्षक

पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किया संदेश

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संयुक्त क्रिया (कम्पाउंड वर्ब) के महत्व को रेखांकित करते हुए एक ज्ञानवर्धक संस्कृत सुभाषित साझा किया। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में लिखा कि कंपाउंड वर्ब का अर्थ एक शब्द की विशेषता को उससे जुड़े दूसरे शब्द में स्थानांतरित करना या जोड़ना होता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस व्यक्ति में स्वयं की निपुणता और दूसरों को सिखाने की क्षमता दोनों गुण मौजूद हों, उसे ही शिक्षक के कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से करना चाहिए। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक शेयर किया जिसका भावार्थ है कि कुछ लोग स्वयं किसी कार्य को करने में बेहद निपुण होते हैं, जबकि कुछ अन्य लोग उस ज्ञान या कौशल को दूसरों तक बहुत प्रभावी ढंग से पहुंचाने की विशेष योग्यता रखते हैं। जिस व्यक्ति में ये दोनों गुण–अर्थात स्वयं की कुशलता और दूसरों को सिखाने की उत्तम क्षमता–निहित हों, उसे ही सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की श्रेणी में सबसे अग्रणी स्थान दिया जाना चाहिए।

इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने निरंतर सुभाषितों के माध्यम से देशवासियों को प्रेरित किया है। उन्होंने विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण को लेकर एक श्लोक साझा करते हुए लिखा था कि ये गुण ही मानव व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण हैं।

इन जीवन मूल्यों के साथ ही आज देशवासी विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में निरंतर जुटे हुए हैं। उन्होंने गीता के श्लोक तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता। भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।। के माध्यम से बताया कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, अदम्य धैर्य, आचरण की पवित्रता, राष्ट्र के प्रति निष्कपट भाव और अहंकाररहित व्यक्तित्व ही दैवी संपदा को प्राप्त महान चरित्र के लक्षण हैं।

दाऊद का राजदार मुन्ना झिंगड़ा रच रहा था भारत के खिलाफ बड़ी साजिश

कभी भारत और पाक थाईलैंड की कोर्ट में झिंगड़ा के लिए भिड़े थे

नई दिल्ली।

खूंखार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का बेहद करीबी और बड़ा राजदार मुन्ना झिंगड़ा एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों की चर्चाओं में है। हाल ही में भारत के प्रमुख शहरों में हमले की फिराक में बैठे आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद मुन्ना झिंगड़ा का नाम सामने आया है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से कराची में बैठकर भारत के परमाणु प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और पावर प्लांट्स को निशाना बनाने की खतरनाक साजिशें रच रहा था। यह वही कुख्यात अपराधी है, जिसकी कस्टडी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच थाईलैंड की अदालत में एक लंबी कानूनी जंग चली थी। मुन्ना झिंगड़ा का असली नाम सैयद मुदस्सुर हुसैन है और वह मूल रूप से मुंबई के जोगेश्वरी इलाके का रहने वाला है। वह दाऊद इब्राहिम और छोटा शकील का सबसे भरोसेमंद शूटर माना जाता था। साल 2000 में दाऊद ने अपने सबसे बड़े दुश्मन छोटा राजन को खत्म करने का जिम्मा मुन्ना झिंगड़ा को सौंपा था। झिंगड़ा ने बैंकॉक में छोटा राजन के ठिकाने पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें छोटा राजन तो बच निकला लेकिन उसका साथी रोहित वर्मा मारा गया। इस सनसनीखेज हमले के बाद थाईलैंड पुलिस ने मुन्ना झिंगड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। झिंगड़ा की गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार ने थाईलैंड की अदालत में उसे भारत प्रत्यर्पित करने की मांग की। भारतीय एजेंसियों ने अदालत में पुख्ता सबूत पेश करते हुए बताया कि वह एक भारतीय नागरिक है और उस पर भारत में करीब 70 आपराधिक मामले दर्ज हैं। भारत ने उसके दावों को मजबूत करने के लिए उसके स्कूल सर्टिफिकेट और यहां तक कि भारत में रह रहे उसके माता-पिता का डीएनए टेस्ट भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। इन अकाट्य और वैज्ञानिक सबूतों के दम पर निचली अदालत में भारत की जीत हुई थी।

करोड़ों बच्चों पर भुखमरी, शोषण, हिंसा और असुरक्षा का साया

वैश्विक रिपोर्टों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली।

दुनिया भर में बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी, भुखमरी, जलवायु परिवर्तन, युद्ध, हिंसा और सामाजिक असमानताओं के बीच करोड़ों बच्चे आज भी सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से वंचित हैं। वैसे तो नियमानुसार प्रत्येक बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अवसरों का अधिकार है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्थिति अभी भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार दुनिया के करोड़ों बच्चे हर साल किसी न किसी रूप में हिंसा, शोषण और भेदभाव का शिकार होते हैं। बच्चों के संरक्षण से जुड़ी रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हर वर्ष करोड़ों बच्चे शारीरिक या मानसिक हिंसा का सामना करते हैं। इसके अलावा लाखों लड़कियां और लड़के यौन शोषण के शिकार बनते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे मामलों का बड़ा हिस्सा परिवारों के भीतर या बाल श्रम जैसी परिस्थितियों में सामने आता है। बच्चों के सामने केवल हिंसा ही नहीं, बल्कि भुखमरी और कुपोषण भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट (जीआरएफसी) के अनुसार वर्ष 2024 में 53 देशों और क्षेत्रों में लगभग 29.5 करोड़ लोग तीव्र खाद्य संकट से प्रभावित रहे। वहीं, सेव द चिल्ड्रन की रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में करीब 1.82 करोड़ बच्चे ऐसे माहौल में जन्मे जहां परिवार गंभीर खाद्य असुरक्षा और भूख की स्थिति से जूझ रहे थे।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में टीएमसी का बड़ा एक्शन- दो विधायक निलंबित

निलंबित विधायक ने अभिषेक बनर्जी पर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित प्रस्ताव में फर्जी हस्ताक्षरों के मामले में अपने दो विधायकों, ऋतोब्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निलंबित किया है। यह फैसला प्रस्ताव में गड़बड़ी मिलने के बाद लिया गया है। बनर्जी उलुबेरिया पूर्व से और साहा एंटाली से टीएमसी के विधायक हैं। इस कार्रवाई के बाद साहा ने पार्टी के भीतर हुई कथित गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की बैठक में मौजूदगी नहीं थी, उनके हस्ताक्षर प्रस्ताव में शामिल किए गए थे। उनके अनुसार, यह एक बड़ी गलती है और इस मामले की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इतना ही नहीं निलंबित विधायक साहा ने पूरे विवाद में पार्टी के महासचिव और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम घसीटते हुए कहा कि विधायकों की सूची पर उनके हस्ताक्षर थे, जिसमें कई गलतियां थीं। साहा ने कहा कि सूची की जांच और सत्यापन की जिम्मेदारी अभिषेक बनर्जी की थी, जिसमें वे सफल नहीं रहे। इस बीच, सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि टीएमसी विधायक साहा और ऋतोब्रत बनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष से शिकायत की थी कि नेता प्रतिपक्ष के चुनाव से संबंधित टीएमसी के प्रस्ताव में कई अनियमितताएं और गड़बड़ियां थीं। मौजूदा वक्त में बंगाल की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। हाल ही में अभिषेक बनर्जी पर हमले के ठीक एक दिन बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर भी हमला हुआ था। इन घटनाओं के बीच यह कार्रवाई हुई है, जिससे पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी काफी गुस्से में हैं।

तमिलनाडु बीजेपी में उथल-पुथल, अन्नामलाई पार्टी छोड़ बना सकते हैं नया दल!

समर्थक सोशल मीडिया पर पार्टी नामों और झंडे की डिजाइन्स कर रहे पोस्ट

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की तमिलनाडु इकाई में बड़े उथल-पुथल नजर आ रहे हैं। अटकलें हैं कि पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई बीजेपी छोड़ सकते हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि वह नई पार्टी बना सकते हैं। हालांकि, इन अटकलों को लेकर अन्नामलाई ने आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ये चर्चाएं ऐसे समय पर हो रही हैं, जब कहा जा रहा है कि अन्नामलाई को बीजेपी में बड़ी भूमिका दी जा सकती है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अन्नामलाई बीजेपी छोड़ने और नई पार्टी बनाने पर विचार कर रहे हैं। दरअसल, इसके संकेत उनके समर्थकों की सक्रियता से भी मिल रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर पार्टी के नामों और झंडे की डिजाइन्स को लेकर पोस्ट कर रहे हैं। हालांकि, खुद अन्नामलाई ने इसे लेकर प्रतिक्रिया नहीं दी है। हाल ही में अन्नामलाई ने तीन भाषा मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार से अलग रुख अपनाया था। मई में उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से कक्षा नौ के छात्रों के लिए तीन भाषाओं को अनिवार्य बनाने वाली अधिसूचना को वापस लेने का आग्रह किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक अन्नामलाई ने मंत्रालय से आग्रह किया कि वह वर्ष 2029-30 शैक्षणिक वर्ष से तीन भाषाएं शुरू करने की अपनी पूर्व प्रतिबद्धता पर कायम रहे। दरअसल सीबीएसई ने 15 मई, 2026 को सभी संबद्ध विद्यालयों को एक अधिसूचना जारी कर वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से कक्षा नौ के छात्रों के लिए तीसरी अनिवार्य भाषा शुरू करने की घोषणा की, जो पूर्व में 2029-30 सत्र से लागू किए जाने की निर्धारित समय सीमा से काफी पहले है।

अन्नामलाई ने कहा कि अप्रैल 2026 में जब सीबीएसई ने घोषणा की कि कक्षा छठी के छात्रों के लिए तीन भाषाएं अनिवार्य होंगी जिनमें से दो भारत की मूल भाषाएं

होनी चाहिए, तो उन्होंने भी इस निर्णय का स्वागत किया था। कहा जा रहा है कि अन्नामलाई बीजेपी के एआईएडीएमके के साथ गठबंधन के भी खिलाफ थे। खास बात है कि अन्नामलाई को कुछ समय पहले ही प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया था और नैनार नागेंद्रन को जिम्मेदारी दी थी। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन नहीं रहा। फिलहाल, राज्य में सीएम सी जोसेफ विजय की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार है। कहा जा रहा है कि अन्नामलाई सीएम विजय के बड़े आलोचक हैं। अटकलें ये भी हैं कि अन्नामलाई को दिल्ली में कोई पद दिया जा सकता है। हालांकि, अब तक बीजेपी ने इसकी कोई घोषणा नहीं की है।

सिब्बल के बयान पर हमलावर हुई बीजेपी......भारत के खिलाफ सुपारी लेने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल के ताजा बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भीड़ के हमले और अंडे फेंकने की घटना पर पूर्व कांग्रेस नेता सिब्बल की विवादास्पद टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह बयान देश, देश की सेना और लोकतंत्र को नीचा दिखाने की एक सोची-समझी कोशिश का हिस्सा है। बीजेपी नेता ने कपिल सिब्बल, राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस जैसे नेताओं पर भारत के खिलाफ सुपारी लेने का गंभीर आरोप लगाया है। दरअसल, ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद संपा सांसद सिब्बल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इस घटना को शर्मनाक, बहुत ही शर्मनाक बताया था। उन्होंने कहा, मुझे शर्म आती है कि मैं इस तरह

के देश में रहता हूं, जहां सत्ताधारी दल लोकतंत्र के हर उस आधार को तबाह कर रही है, जिस इस गणराज्य के बनते समय हमारे महान नेताओं ने बनाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिब्बल का बयान अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी पर निशाना साध रहा था, इससे राजनीतिक पारा चढ़ गया। पूर्व कांग्रेस नेता सिब्बल के बयान पर पलटवार कर बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक व्यक्ति जो भारत के सुप्रीम कोर्ट में वकालत करके करोड़ों रुपये कमा चुका है, वह देश की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति इतनी घटिया सोच रखता है। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आरोप लगाया कि कपिल सिब्बल मोदी-विरोध में देश-विरोध करते हुए भारत का विरोध करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के लोग भारत की छवि को धूमिल कर रहे हैं। बीजेपी ने सिब्बल की पिछली चुप्पियों पर तीखे सवाल उठाए हैं। बीजेपी ने याद दिलाया कि 2021 के पश्चिम बंगाल चुनावों के बाद हुई भयावह हिंसा पर सिब्बल का मुंह सील गया था। वहां उन्हें शर्म नहीं आई थी। इसके अलावा, बीजेपी सांसद खगेन मुर्मू का सर तोड़ने या तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले के दौरान भी सिब्बल ने चुप्पी साध रखी थी।

सपा सांसद का दिल पाकिस्तान के लिए धड़कता है, वह वंदे मातरम नहीं बोलेंगेः कृष्णम

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल में मदरसों के अंदर भी वंदे मातरम अनिवार्य कर दिया गया है, जिसे लेकर यूपी तक सियासत गर्मा गई है। सपा सांसद ने जियाउर्रहमान बर्क ने इस फैसले का विरोध किया, जिसपर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि सपा सांसद का दिल हमेशा ही पाकिस्तान के लिए धड़कता है, इसलिए वो वंदे मातरम नहीं बोलेंगे। दरअसल विवाद पश्चिमी बंगाल के मदरसों वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत को अनिवार्य बनाने के बाद शुरू हुआ। बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने नया आदेश जारी किया है, जिसमें उन्होंने सभी मदरसों को निर्देश दिया है कि अब से सुबह की प्रार्थना में वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। यूपी में भी सरकार ने शैक्षणिक संस्थाओं में वंदे मातरम पर जोर दिया है। इस लेकर जब संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि देश भक्ति जबरदस्ती बुलवाने से नहीं होती। राष्ट्रगान का सभी लोग सम्मान करते हैं, मुस्लिमों को देश भक्ति सिद्ध करने की जरूरत नहीं हैं। बर्क ने कहा कि देश के प्रति अपनी वफादारी दिखाने के लिए किसी अल्फ़ाज को बोलना जरूरी नहीं है। वक्त पर तय होता है कि कौन अपने देश से किस तरह वफादार है और अगर सरकार ये कहे कि इस प्रकार के अल्फ़ाज़ बोलो तभी वफादार होगे तो अफसोस हैं कि इस प्रकार की सरकार की मंशा है। देश का जो राष्ट्रगीत हैं उसमें अलग-अलग मतभेद हैं। सभी को ये जानना चाहिए कि राष्ट्रगान का सभी धर्म और बिरादरी के लोग सम्मान करते हैं लेकिन, राष्ट्रगीत ऐसा गीत हैं जिसपर संविधान सभा में भी आपत्ति हुई थी। हमें आपत्ति राष्ट्र से नहीं गीत से हैं और गीत के कुछ अल्फाजों से है।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में एसआईआर शुरु

इन चारों राज्यों में अगले साल होना है चुनाव

28 जून तक जमा करें फॉर्म, बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे मतदाताओं का वेरिफिकेशन

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा चरण शुरू कर दिया है। इन राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव आयोग ने 14 मई को 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का आदेश दिया था। उसी प्रक्रिया के तहत अब ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में 30 मई से एन्यूमरेशन फेज शुरू हो गया है।

एसआईआर के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेंगे और फॉर्म जमा कराएंगे। आयोग ने कहा है कि 28 जून 2026 तक जिन लोगों के फॉर्म चुनाव पंजीकरण अधिकारी को मिल जाएंगे, उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

आयोग ने कहा है कि एसआईआर अभियान का सबसे बड़ा उद्देश्य है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। 18 साल या उससे ज्यादा उम्र का हर भारतीय नागरिक, जो किसी कानून के तहत अयोग्य घोषित नहीं है, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का हकदार है।

एन्यूमरेशन फेज के दौरान बीएलओ हर घर तक पहुंचेंगे। वे मतदाताओं को फॉर्म देंगे, भरे हुए फॉर्म जमा करेंगे और जानकारी का सत्यापन करेंगे। मतदाता चाहें तो फॉर्म बीएलओ को दे सकते हैं या ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं। आयोग ने बीएलओ को निर्देश दिया है कि वे घर-घर सर्वे के दौरान कम से कम 30 खाली फार्म-6 और घोषणा पत्र साथ रखें।

इससे ऐसे लोग, जिनका नाम अभी मतदाता सूची में नहीं है, नए मतदाता के तौर पर आवेदन कर सकेंगे, जो लोग 28 जून तक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कर पाएंगे, वे बाद में दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान फार्म-6 और घोषणा पत्र के साथ आवेदन कर सकेंगे।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की भागीदारी बढ़ाने के लिए बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को भी फॉर्म एकत्र करने की अनुमति दी है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए रोजाना 50 तक फॉर्म लोगों से लेकर ड्राफ्ट प्रकाशन से पहले बीएलओ को सौंपेंगे।

आयोग का कहना है कि राष्ट्रीय

और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बीएलए भी नियुक्त कर सकते हैं, ताकि पूरी प्रक्रिया तेजी और सुचारु तरीके से पूरी हो सके।

झचुनाव आयोग ने सभी पात्र मतदाताओं से इस प्रक्रिया में भाग लेने और घर-घर पहुंचने वाले चुनाव अधिकारियों को सहयोग देने की अपील की है। आयोग का कहना है कि यह अभियान मतदाता सूची को ज्यादा सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाया जा रहा है।

पुष्कर में कांग्रेस का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न; राहुल गाँधी ने कार्यकर्ताओं को दिया 'अनुशासन और संयम' का मंत्र

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/पुष्कर। पुष्कर में आयोजित कांग्रेस ज़िलाध्यक्षों के दस दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का समापन बेहद आत्मीय और ऊर्जावान माहौल में हुआ। शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री राहुल गाँधी ने देश और प्रदेश के सांगठनिक ढाँचे को मजबूत करने के लिए ज़िलाध्यक्षों को कड़ी मेहनत और निष्ठा का संकल्प दिलाया।

कार्यकर्ताओं को दिया अनुशासित जीवन शैली का पाठ

शिविर को संबोधित करते हुए राहुल गाँधी ने पार्टी पदाधिकारियों को अनुशासन और जनता के प्रति जवाबदेही का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा, 'एक सच्चे कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता की पहचान उसकी अनुशासित जीवन शैली और संयमित आचरण से होती है। जनता के बीच रहकर, उनके सुख-दुख को समझना और संयम के साथ संगठन को आगे बढ़ाना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।' उन्होंने सभी नेताओं से आगामी चुनौतियों के लिए तैयार रहने और हर बूथ स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को पहुँचाने का आह्वान किया।

रिपोर्ट कार्ड के आधार पर ब्यावर ज़िलाध्यक्ष किशोर चौधरी की थपथपाई पीठ

इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे खास बात यह रही कि राहुल गाँधी के पास सभी ज़िलाध्यक्षों के धरातल पर किए गए कार्यों का एक विस्तृत रिपोर्ट कार्ड मौजूद था। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उन्होंने ब्यावर के युवा ज़िलाध्यक्ष किशोर चौधरी की मंच से खुले दिल से सराहना की। राहुल गाँधी ने किशोर चौधरी की पीठ थपथपाते हुए कहा, 'किशोर चौधरी ने बेहद कम उम्र में पहले ब्लॉक अध्यक्ष और फिर 'संगठन सृजन अभियान' के तहत ज़िलाध्यक्ष बनकर युवाओं के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। संगठन को ऐसे ही ऊर्जावान और समयबद्ध काम करने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है।'

ज़िलाध्यक्षों के परिजनों से किया आत्मीय संवाद

शिविर के अंतिम दिन राहुल गाँधी का एक बेहद संवेदनशील रूप देखने को मिला। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर में आए सभी ज़िलाध्यक्षों के परिजनों के साथ विशेष समय बिताया। इसी क्रम में उन्होंने ब्यावर ज़िलाध्यक्ष किशोर चौधरी की माता, छोटे भाई और सुपुत्री से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। परिजनों के आग्रह पर उन्होंने इस मुलाकात को यादगार बनाने के लिए तस्वीरें भी खिंचवाईं। 10 दिनों तक चले इस गहन वैचारिक शिविर के समापन पर सभी ज़िलाध्यक्षों में एक नया उत्साह और आगामी चुनावों व सांगठनिक कार्यों के लिए एक नई ऊर्जा देखी गई।

भाजपा गंगापुर नगर मंडल की विवेकानंद शक्ति केंद्र बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

भारतीय जनता पार्टी गंगापुर नगर मंडल की विवेकानंद शक्ति केंद्र बैठक आज नीलकंठ महादेव परिसर में आयोजित हुई। बैठक नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी की अध्यक्षता एवं क्षेत्रीय विधायक लादू लाल पीतलिया के सानिध्य में संपन्न हुई।

बैठक में विधानसभा प्रभारी सज्जन सिंह एवं मंडल पालक मंजू चेचानी ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए।

विधायक लादू लाल पीतलिया ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने एवं पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक का संचालन मंडल महामंत्री राजेंद्र बंसल ने किया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं क उपस्थिति रही तथा संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान में चमकेगा ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क: डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने 79 सड़कों के लिए मंजूर किए 68.30 करोड़

झालावाड़, झुंझुनूं, जोधपुर, अलवर और ब्यावर जिलों के 5 विधानसभा क्षेत्रों को मिलेगी नई रफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जयपुर राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में आवागमन को सुगम बनाने और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। उप मुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दिया कुमारी ने वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा की अनुपालना में प्रदेश की 79 ग्रामीण सड़कों के निर्माण को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल 68.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

151.75 किलोमीटर लंबी सड़कों का बिछेगा जाल

इस सरकारी मंजूरी के तहत प्रदेश के 5 प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में कुल 151.75 किलोमीटर लंबाई की ग्रामीण सड़कों का निर्माण और विकास कार्य किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से दूर-दराज के गांवों की शहरों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

इन क्षेत्र को क्या मिला? (क्षेत्रवार आवंटन):

उप मुख्यमंत्री द्वारा जारी स्वीकृतियों के अनुसार, पांच विधानसभा क्षेत्रों में बजट और सड़कों का बंटवारा इस प्रकार किया गया है: झालावाड़ (झालरापाटन) : यहाँ सबसे बड़ी सौगात मिली है। कुल 30 करोड़ रुपये की लागत से 51.05 किमी लंबी 21 सड़कों का निर्माण होगा। अलवर (राजगढ़-लक्ष्मणगढ़): इस क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से 33.55 किमी लंबी 19 सड़कों को मंजूरी दी गई है।

झुंझुनूं (नवलगढ़): यहाँ 10 करोड़ रुपये के बजट से 31.15 किमी की 26 ग्रामीण सड़कें बनाई जाएंगी। ब्यावर (जैतारण): जैतारण क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे 31 किमी लंबी 12 सड़कों का विकास होगा। जोधपुर (भोपालगढ़): यहाँ 8.30 करोड़ रुपये की लागत से 5 किमी लंबी मुख्य सड़क का निर्माण किया जाएगा।

'अवसंरचना विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता' — दिया कुमारी

इस निर्णय पर बात करते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा: 'राजस्थान का समग्र विकास तभी संभव है जब हमारे गांव मजबूत होंगे। प्रदेश में अवसंरचना का विकास हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीण सड़क नेटवर्क मजबूत होने से न केवल ग्रामीणों का सफर आसान होगा, बल्कि गांवों में आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से पहुँच सकेगा।'

सड़क निर्माण के फायदे:

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, इन सड़कों के बनने से ग्रामीण इलाकों में कृषि मंडियों, स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच आसान हो जाएगी। साथ ही, मॉनसून के समय खराब रास्तों से होने वाली परेशानियों से भी स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इन स्वीकृतियों के बाद अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर धरातल पर काम शुरू किया जाएगा।

बिजौलिया में भू-माफिया का दुस्साहस: चरागाह व बिलानाम भूमि पर अवैध खनन, विरोध करने पर ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी

आंट क्षेत्र की लीज संख्या 113 के बाहर भारी मशीनरी से खोदी जा रही सरकारी जमीन, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। उपखण्ड क्षेत्र के आंट पटवार हल्का अंतर्गत रेसुंदा क्षेत्र में बेशकीमती चरागाह एवं बिलानाम सरकारी भूमि पर एक रसूखदार भू-माफिया द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर धड़ल्ले से अवैध खनन करने का गंभीर मामला सामने आया है। सरकारी भूमि को पहुंचाए जा रहे नुकसान और विरोध करने पर मिल रही धमकियों से आक्रोशित ग्रामीणों ने आज उपखण्ड अधिकारी (एसडीएम) तथा खनिज विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की है।

एसडीएम व खनिज विभाग को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम आंट क्षेत्र में स्थित वैध माइनिंग लीज संख्या 113 के आस-पास आई आराजी संख्या 84 एवं 87 की भूमि पर एक भू-माफिया द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा जमा लिया गया है। इस चरागाह व बिलानाम भूमि पर माफिया द्वारा भारी मशीनरी (जेसीबी व पोकलैंड) लगवाकर अवैध रूप से पत्थर व खनिज का खनन कार्य किया जा रहा है,

जिससे बहुमूल्य सरकारी भूमि और पर्यावरण को व्यापक नुकसान पहुंच रहा है।

थाने में शिकायत के बाद दोबारा शुरू किया खनन, दी जा रही धमकियां:

ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने जागरूक नागरिक होने के नाते संबंधित व्यक्ति को सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा और अवैध खनन कार्य रोकने के लिए समझाइश करने का प्रयास किया, तो आरोपी पक्ष द्वारा ग्रामीणों को सरेआम डराया-धमकाया गया। इसके बाद पीड़ितों ने गत 27 मई 2026 को बिजौलिया थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिस पर पुलिसिया दखल के बाद कुछ समय के लिए खनन गतिविधियां बंद हो गई थीं। लेकिन रसूख के बल पर माफिया ने कुछ ही दिनों बाद पुनः चरागाह एवं बिलानाम भूमि पर कब्जा कर अवैध खनन कार्य शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अब विरोध करने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने तक की सीधी धमकियां दी जा रही हैं।

निरीक्षण और सीमांकन की मांग, आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने खनिज विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि लीज संख्या 113 का मौके पर तकनीकी टीम भेजकर तुरंत निरीक्षण व सीमांकन कराया जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। साथ ही चरागाह भूमि पर हो रहे कथित अवैध खनन को तत्काल रुकवाकर दोषियों को भविष्य के लिए कड़ाई से पाबंद किया जाए। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि समय रहते भू-माफिया के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई और सरकारी भूमि को मुक्त नहीं कराया गया, तो ग्रामीण बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मुर्गों से भरी पिकअप आगे चल रहे ट्रक में घुसी, पिकअप के उड़े परखच्चे

ड्राइवर केबिन में फंसा इलाज के दौरान मौत, मची अफरा तफरी

स्मार्ट हलचल | मांडल

भीलवाड़ा में मुर्गों से भरी पिकअप गाड़ी आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। टक्कर भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। 20 मिनट तक ड्राइवर केबिन में फंस गया, जिसे लोगों ने बाहर निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। इस दौरान कई मुर्गे वाहनों की चपेट में आने से मर गए। हादसा मांडल नेशनल हाईवे 48 पर मंगलवार सुबह करीब 4.30 बजे हुआ।सड़क पर बिखरे मुर्गे, अफरा-तफरी का माहौल हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और पिकअप में भरे सैकड़ों मुर्गे सड़क पर निकलकर इधर-उधर दौड़ने लगे। इस दौरान कई मुर्गे वाहनों की चपेट में आकर मर गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

राहत कार्य में दो घंटे की कड़ी मशक्कत घटना की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस पायलट हनीफ मोहम्मद और राहगीरों ने मिलकर ड्राइवर को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे ड्राइवर को निकालने में करीब दो घंटे की मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद उसे बेहोशी की

हालत में हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस जांच और पहचान की कोशिशें जारी मृतक ड्राइवर के पास कोई पहचान दस्तावेज नहीं मिलने से उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस और प्रशासन उसकी पहचान के प्रयास में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि दुर्घटनास्थल मांडल और पुर थानों की सीमा के बीच होने के कारण क्षेत्राधिकार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही, जिससे पुलिस मौके पर देर से पहुंची और फिलहाल मामले की जांच जारी है।

भीलवाड़ा जिला कलेक्टर ने किया ग्राम पंचायतों का सघन दौरा, निरीक्षण कर दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने मंगलवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए ग्राम पंचायत चांद जी खेड़ी और मकरेडी का सघन दौरा किया।

हरियाली और आय के मॉडल पर फोकस

दौरे के दौरान, जिला कलक्टर श्री संधू ने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत चांद जी खेड़ी में विकसित की जा रही मियावाकी वाटिका एवं फल वाटिका का निरीक्षण किया। उन्होंने वाटिका में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पौधों की वृद्धि, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, फेंसिंग तथा रखरखाव की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने विकास अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि मियावाकी पद्धति से लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी की जाए। साथ ही, फल वाटिका को ग्रामीणों के लिए आय का मॉडल बनाने हेतु फलदार पौधों का समय पर संधारण सुनिश्चित करने को कहा। श्री संधू ने कहा कि ये वाटिकाएं हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम बनेंगी।

कुपोषण मुक्त ग्राम की अवधारणा

इसके पश्चात, जिला कलेक्टर श्री संधू ग्राम पंचायत मकरेडी के ग्राम आट पहुंचे, जहां उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, पोषाहार वितरण पंजिका, बच्चों का वजन एवं पोषण स्तर, टीकाकरण रिकॉर्ड तथा केंद्र की साफ-सफाई का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को निर्देशित किया कि कुपोषण मुक्त ग्राम की अवधारणा को साकार करने के लिए प्रत्येक बच्चे के पोषण पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाए तथा अभिभावकों को पोषण जागरूकता के लिए नियमित रूप से जोड़ा जाए।

खेल मैदान व नर्सरी विकास के निर्देश

इसी क्रम में, जिला कलेक्टर ने ग्राम आट के राजकीय विद्यालय परिसर का भी अवलोकन किया। विद्यालय के खेल मैदान की स्थिति देखने के बाद उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मैदान को विकसित किया जाए तथा परिसर में ही पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए एक स्थायी नर्सरी तैयार की जाए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करें।

एनएच-758 पर चला बुलडोजर

सहाड़ा -टपरियाखेड़ी के बीच अवैध निर्माण ध्वस्त

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजसमंद नेशनल हाईवे-758 को अतिक्रमण मुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सहाड़ा से टपरियाखेड़ी के बीच हाईवे के सेंटर से 30 मीटर दायरे में बने कच्चे-पक्के अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया।

प्रशासन का कहना है कि अतिक्रमण के कारण हाईवे संकरा हो रहा था, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई थी। कार्रवाई के बाद सड़क की विजिबिलिटी और यातायात व्यवस्था में सुधार होगा तथा हादसों में कमी आने की उम्मीद है। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग के अधिकारी, गिरदावर, पटवारी सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। वहीं एनएएचआई की टीम ने मौके पर रहकर अभियान को अंजाम दिया। प्रशासन ने हाईवे सीमा में दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

भीलवाड़ा डेयरी ने विश्व दुग्ध दिवस पर चलाया सरस जन जागरूकता अभियान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (भीलवाड़ा डेयरी) द्वारा विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर 'सरस जन जागरूकता अभियान' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। डेयरी के प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने बताया कि महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय, भीलवाड़ा के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों, उनके परिजनों, अस्पताल स्टाफ तथा डेयरी प्रबंधन के बाहर सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को निःशुल्क नमकीन छाछ के 200 एम.एल. पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को दुग्ध उत्पादों के प्रति जागरूक करना तथा गर्मी के मौसम में स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थों के उपयोग के लिए प्रेरित करना था। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने छाछ वितरण कार्यक्रम का लाभ उठाया और डेयरी की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर भीलवाड़ा डेयरी के प्रबंध संचालक, प्रभारी लेखा, प्रभारी विपणन, प्रभारी पार्लर सहित डेयरी विपणन विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा। डेयरी प्रशासन ने बताया कि भविष्य में भी आमजन के हित में इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

बजरी माफियाओं पर पुलिस का शिकंजा, डंपर व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

दो स्थानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, चालक मौके से फरार

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ फूलियाकलां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों से एक डंपर और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार थाना पुलिस को अवैध बजरी परिवहन की सूचना मिलने पर विशेष अभियान चलाया गया। इसी दौरान कस्बे के केकड़ी रोड स्थित खारी नदी क्षेत्र में पुलिस ने दबिश देकर बजरी से भरा एक डंपर जब्त कर लिया। पुलिस की कार्रवाई को देखते ही डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

वहीं दूसरी ओर कनेछन कलां के समीप भी पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन कर रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा। यहां भी चालक पुलिस को देखकर वाहन छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवा दिया है तथा आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

थानाधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजरी माफियाओं पर कड़ी नजर रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। लंबे समय से अवैध बजरी खनन और परिवहन की शिकायतें सामने आ रही थीं। ऐसे में पुलिस द्वारा एक ही दिन में दो अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई को बजरी माफियाओं के खिलाफ बड़ा संदेश माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह नियमित रूप से कार्रवाई होती रही तो अवैध खनन और राजस्व को होने वाले नुकसान पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। फिलहाल पुलिस फरार चालकों की तलाश में जुटी हुई है तथा मामले की जांच जारी है।

हाइवे पर मेनाल पार्किंग के पास ट्रेलर और बल्कर की भीषण भिड़ंत, दोनों वाहन पलटे

टक्कर के बाद हाइवे पर बिखरे ट्रेलर में भरे लोहे के पाइप, लगा जाम; हाइवे पेट्रोलिंग टीम ने क्रेन की मदद से सुचारू करवाया यातायात, घायल भीलवाड़ा रेफर

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कोटा-चित्तौड़गढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक और भीषण सड़क हादसा घटित हुआ। मेनाल के निकट स्थित पार्किंग क्षेत्र पर एक ट्रेलर और बल्कर वाहन के बीच हुई जोरदार आमने-सामने की भिड़ंत से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भारी वाहन अनियंत्रित होकर पार्किंग पर ही पलट गए। हादसे के बाद ट्रेलर में लोड भारी मात्रा में लोहे के पाइप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिखर गए, जिससे काफी देर तक वाहनों के पहिए थम गए और जाम की स्थिति बन गई।

कोटा से चित्तौड़गढ़ की ओर जा रहे थे दोनों वाहन:

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोहे के पाइपों से भरा ट्रेलर और बल्कर वाहन मंगलवार सुबह कोटा से चित्तौड़गढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब आठ बजे मेनाल पार्किंग के पास दोनों वाहनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर में भरे लोहे के पाइप पूरी सड़क पर फैल गए, जिससे दोनों तरफ से आने-जाने वाला यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

हादसे की भयावहता को देखते हुए आस-पास के राहगीर और स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर हाईवे पेट्रोलिंग टीम तुरंत मौके पर पहुंची और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस हादसे में ट्रेलर चालक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि बल्कर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पेट्रोलिंग टीम ने भारी मशक्कत के बाद गंभीर घायल बल्कर चालक को केबिन से बाहर निकाला और तत्काल एम्बुलेंस की मदद से मांडलगढ़ राजकीय चिकित्सालय भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे भीलवाड़ा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

क्रेन से हटाए पाइप, सुचारू कराया यातायात:

हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने तत्काल दो बड़ी क्रेनों को मौके पर बुलाया। क्रेन की मदद से सड़क पर दूर-दूर तक बिखरे लोहे के भारी पाइपों को एक तरफ हटवाया गया तथा बीच रास्ते में पलटे दोनों भारी वाहनों को घसीटकर हाईवे के किनारे करवाया गया। पुलिस और पेट्रोलिंग टीम की त्वरित मुस्तैदी के बाद हाईवे पर यातायात को पुनः सुचारू रूप से बहाल कराया जा सका।

विश्व प्रसिद्ध मालासेरी डूंगरी पर 51 देवनारायण भगवान के पुजारियों (भोपाओं) का ऐतिहासिक महासम्मेलन सम्पन्न

सामाजिक समरसता, विश्व शांति एवं सर्व धर्म जागरण का बना दिव्य संगम

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निंबाहेड़ा। भगवान श्री देवनारायण जी की जन्मस्थली एवं माता साडु की अखंड तपोभूमि विश्व प्रसिद्ध मालासेरी डूंगरी तीर्थ स्थल पर पुरुषोत्तम (अधिक) मास के पूर्णिमा के पावन अवसर पर देशभर से पधारे 51 देवनारायण भगवान के सर्व समाज के पुजारियों (भोपाजी महाराज) तथा 36 कौमों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सोमवार से मंगलवार तक दो दिवसीय विराट धार्मिक एवं आध्यात्मिक महासम्मेलन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन ने सामाजिक समरसता, धार्मिक एकता एवं विश्व कल्याण का अद्भुत संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से आए देवनारायण मंदिरों के पुजारियों के परिचय सम्मेलन से हुआ। इस सम्मेलन में समाज, संस्कृति, धार्मिक परम्पराओं तथा देवस्थानों में नियमित पूजा-अर्चना को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। सभी लोगों ने एक स्वर में धर्म, संस्कृति एवं समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

इसके पश्चात भगवान श्री देवनारायण जी को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ कमल पुष्प से सजावट कर साथ सर्व समाज के पुजारियों द्वारा सामूहिक छप्पन भोग चढ़ाया गया । सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गंगा आरती की तर्ज पर देवनारायण भगवान की वह मालासेरी डूंगरी की महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। आरती के दौरान 'जय श्री देवनारायण' के जयघोषों से मालासेरी डूंगरी गूंज उठी। आयोजन के दौरान 51 अखंड ज्योतियों का विशेष आकर्षण रहा। इन ज्योतियों की दिव्य आभा ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक ऊर्जा, विश्व कल्याण और मानवता के मंगल का प्रतीक बताया। चारों ओर प्रज्ज्वलित ज्योतियों की अलौकिक छटा ने सम्पूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया।

कार्यक्रम में विश्व शांति, रोग निवारण, राष्ट्र की समृद्धि एवं मानव कल्याण की भावना से विशेष यज्ञ, अनुष्ठान, मंत्रोच्चार एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो दिनों तक अखंड ज्योत निरंतर प्रज्ज्वलित रही तथा वैदिक विधि-विधान से धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न होते रहे। श्रद्धालुओं ने दीपदान कर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं पुजारियों वह (भोपाजी जी महाराज) द्वारा सामूहिक मनोकामना पूर्ण मालासेरी डूंगरी की परिक्रमा की गई। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्री देवनारायण जी के चरणों

में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परिवार, समाज एवं राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

कार्यक्रम के संयोजक मालासेरी डूंगरी देवनारायण मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने बताया कि सभी देव स्थानों एवं भगवान श्री देवनारायण जी के मंदिरों में शास्त्रसम्मत एवं नियमबद्ध पूजा-पद्धति को अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि धर्म तभी प्रभावी बनता है जब वह समाज में सदाचार, अनुशासन एवं सेवा की भावना को विकसित करे।

उन्होंने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी उपस्थित लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया। साथ ही युवा पीढ़ी को धर्म, संस्कृति एवं नैतिक शिक्षा के मूल्यों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ एवं समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पुजारी हेमराज पोसवाल ने कहा कि वर्तमान में देशभर के एक लाख से अधिक परिवारों में प्रतिदिन देव चालीसा का पाठ किया जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी अपने-अपने घरों में नियमित रूप से देव चालीसा का पाठ वह जय जय देव , घर घर देव का नाम जप किया जा रहा है, सभी को धर्म एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार में योगदान देने का संकल्प दिलाया ।

उन्होंने बताया कि भारत में पहली बार ऐसा ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें देशभर से आए गुर्जर, ब्राह्मण, मेघवंशी, मीणा जाट समाज, धाकड़ समाज, राजपूत समाज,कुमावत समाज, भील समाज, गाडरी समाज, रेगर समाज, तेली साहू समाज, माली समाज, चिता मेहरात सहित मुस्लिम समाज सहित कई समाजों के 51 पुजारियों ने एक मंच पर एकत्र होकर सामूहिक रूप से स्नेहभोज करते हुए विश्व शांति, मानव कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र की सुख-समृद्धि तथा समस्त प्राणिमात्र के मंगल हेतु विशेष यज्ञ एवं धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न किए। यह आयोजन सामाजिक समरसता एवं धार्मिक समन्वय का अनूठा उदाहरण बन गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी पधारे हुए पुजारियों (भोपाओं) का शॉल ओढ़ाकर, सम्मान-पत्र एवं श्री देवनारायण चालीसा भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वह मंदिर परिसर में विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सम्पूर्ण आयोजन श्रद्धा, भक्ति, अनुशासन एवं सामाजिक समरसता का अनुपम उदाहरण बनकर उपस्थित जनमानस के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

इस मौके पर मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल, मंदिर समिति के अध्यक्ष जयदेव चाड़, पूर्व रिटायर्ड जज किशन गुर्जर , एडवोकेट अतर सिंह गुर्जर ,भगवान सिंह पोसवाल , पुजारी प्रल्हाद जाट चित्तौड़गढ़ , गाडरी महासभा के संभाग अध्यक्ष भेरू लाल गाडरी ,रामकुंवार मीणा जहाजपुर , देवनारायण गाथा वाचक देव भक्त बाबू खान मंसूरी , धनराज नागर झालावाड़, बीजेपी मंडल अध्यक्ष फौजमल गुर्जर ,लादू कुमावत रायपुर, कमल सिंह राठौड हुरुड़ा , माधु लाल मेघवंशी सांगानेर, रामदेव रैगर पंडेर, जगदीश मेघवंशी करजालिया , मुकेश जोशी मांडल , बद्री कुमावत जयपुर, लक्ष्मण नेखाड़ी,गिरिराज गुर्जर उदयपुर, डालू पोसवाल, देवी लाल पोसवाल, समिति से जुड़े पदाधिकारी सहित सनातन धर्म समिति के अध्यक्ष दिनेश सोनी , तीर्थराज सिंह , सहित कई लोग मौजूद रहे।

भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की गला रेतकर हत्या

कबाड़ गोदाम में खून से लथपथ मिला शव, कलाई पर भी गहरे घाव

स्मार्ट हलचल |मनोहरपुर/जयपुर

जयपुर के मनोहरपुर थाना इलाके में सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने बड़ी दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए भाजपा अनुसूचित जाति (स्ट) मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। वे सोमवार रात को बस स्टैंड के पास स्थित अपने कबाड़ गोदाम में खून से लथपथ हालत में मिले। इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में मंगलवार सुबह से ही आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मनोहरपुर थाने के सामने शव रखकर करीब साढ़े नौ घंटे तक कड़ा प्रदर्शन और धरना दिया। प्रशासन द्वारा मुआवजे और नौकरी के लिखित आश्वासन के बाद शाम को धरना समाप्त हुआ।

गोदाम में घुसकर वारदात को दिया अंजाम:

मनोहरपुर कस्बा निवासी रामावतार असवाल उर्फ पप्पू (55) मनोहरपुर बस स्टैंड के पास स्थित अपने कबाड़ के गोदाम पर सोमवार रात को मौजूद थे। शुरुआती जांच और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7:30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति गोदाम पर आया था। उसने अंदर घुसकर धारदार हथियार से रामावतार का गला रेत दिया और मौके से भाग छूटा। एडिशनल एसपी रणवीर सिंह ने बताया कि मृतक भाजपा नेता ने अपने बचाव की भी पुरजोर कोशिश की होगी, जिसके कारण उनकी कलाई पर भी धारदार हथियार का गहरा घाव पाया गया है।

काफी देर तक जब रामावतार घर नहीं लौटे तो चिंतित परिजन गोदाम पहुंचे। वहां का खौफनाक मंजर देखकर उनके होश उड़ गए। रामावतार लहूलुहान अवस्था में जमीन पर पड़े थे। परिजन उन्हें तुरंत निम्स (ह्वद्बस्) हॉस्पिटल लेकर भागे और पुलिस को सूचना दी, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया। पुलिस ने सोमवार रात को ही फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (स्नस्रु) की टीम को मौके पर बुलाकर महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य और फिंगरप्रिंट जुटाए।

मुआवजे और नौकरी के आश्वासन पर शाम को खत्म हुआ धरना:

हत्याकांड से आक्रोशित परिजन और सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार सुबह 8:00 बजे मनोहरपुर थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारी हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और उचित आर्थिक मुआवजे की मांग पर अड़े थे।

शाम को पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई वार्ता में पुलिस ने 5 दिनों के भीतर हत्याकांड का पर्दाफाश करने का पुख्ता आश्वासन दिया। इसके साथ ही प्रशासन ने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने, एक डेयरी बूथ के आवंटन का प्रस्ताव सरकार को भेजने और 7 लाख रुपये का आर्थिक मुआवजा देने की आधिकारिक घोषणा की। इस सहमति के बाद शाम 5:30 बजे परिजनों ने धरना समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया।

बढ़ती महंगाई, नेट पेपर लीक व जनसमस्याओं को लेकर जहाजपुर में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी ने देश एवं प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, नेट पेपर लीक प्रकरण तथा स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। रसोई गैस, खाद्य तेल, दाल, दूध सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से परिवारों का बजट बिगड़ गया है। वहीं पेट्रोल-डीजल की

बढ़ती कीमतों से परिवहन एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो गई हैं। कांग्रेस ने कृषि लागत में वृद्धि, किसानों को उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी गंभीर मुद्दा बताया।

ज्ञापन में कहा गया कि नेट पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है तथा सरकार को इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए। इसके अलावा कांग्रेस ने गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने, जिला अस्पताल को जनभावनाओं के अनुरूप उपयुक्त स्थान पर स्थापित करने तथा जहाजपुर-देवली मार्ग पर लंबे समय से बंद पड़े सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करवाने की मांग की। स्थानीय स्तर पर बिजली कटौती एवं पेयजल समस्या के समाधान की भी मांग रखी गई।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी जनहित में आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान: बरुन्दनी में ऐतिहासिक जनआंदोलन

विधायक गोपाल खंडेलवाल के नेतृत्व में बावड़ी की स्वच्छता का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

आकोला। जल संरक्षण और पर्यावरण चेतना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में चलाए जा रहे 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत निकटवर्ती बरुन्दनी कस्बे की ऐतिहासिक प्राचीन बावड़ी पर एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और खुद फावड़ा व तगारी थामकर श्रमदान किया तथा अभियान की विभिन्न गतिविधियों की कमान संभाली।

प्राचीन जल स्त्रोत हमारी अनमोल विरासत: विधायक खंडेलवाल

उपस्थित विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि जल

ही जीवन का मुख्य आधार है। हमारी प्राचीन बावड़ियाँ, तालाब और पारंपरिक जल स्त्रोत हमारी समृद्ध संस्कृति की अनमोल विरासत हैं, जिन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना हम सभी का परम और नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पुरजोर आह्वान किया कि जल संरक्षण को केवल एक सरकारी प्रयास या औपचारिकता न मानकर हर नागरिक इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा और एक मजबूत जनआंदोलन बनाए।

भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम लाल अहीर ने बताया कि अभियान के अंतर्गत ऐतिहासिक बावड़ी एवं आस-पास के पारंपरिक जल स्त्रोतों की गहन स्वच्छता, उनके पुनरुद्धार तथा आमजन को पानी की एक-एक बूंद बचाने के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न चेतना गतिविधियां आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गहराते भूजल स्तर को देखते हुए जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस महाअभियान को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थीं, जिसके चलते आयोजन में ग्रामीणों व युवाओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

ये रहे कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित:

इस ऐतिहासिक और पुनीत कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रशासक गजेंद्र साहू, मांडलगढ़ निवर्तमान चेयरमैन संजय डांगी, शंकर खटिक, श्याम लाल चौधरी, बसन्ती सोनी, शिव प्रकाश भट्ट और शिव प्रकाश दरक प्रमुख रूप से मंच पर उपस्थित रहे। इसके साथ ही प्रबुद्ध ग्रामीणों में शैतान सिंह शक्तावत, भंवर खटिक, राहुल लक्ष्कार, कालू लाल पालिवाल, मनोज सोमानी, लाला राम गुर्जर, गोपाल ओझा, पिंटू ओझा सहित भारी संख्या में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, मातृशक्ति और युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लेकर श्रमदान किया और अभियान को सफल बनाया।

युवा प्रदेश उपाध्यक्ष बने विजयसिंह पंवार

स्मार्ट हलचल

गुलाबपुरा। अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान की युवा प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए युवा प्रदेश अध्यक्ष सुधीरसिंह चौहान ने विजयसिंह पंवार (गुलाबपुरा) को युवा प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रमसिंह भाटी, प्रदेश अध्यक्ष रणजीतसिंह सोडाला एवं प्रदेश महामंत्री मूलसिंह गहलोत के निर्देशानुसार की गई।

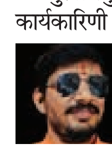

पंवार की नियुक्ति पर गुलाबपुरा सहित भीलवाड़ा जिले के समाज बंधुओं में हर्ष का माहौल है तथा उन्हें सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से बधाइयां मिल रही हैं। पंवार लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय हैं और जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने संगठन के प्रति आभार जताते हुए समाज हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया।

दो बसों की टक्कर के बाद पलटी बस में लगी आग, 7 यात्रियों की दर्दनाक मौत

स्मार्ट हलचल | सूरत

गुजरात के सूरत जिले में बारडोली के समीप मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक और भीषण सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ दो तेज रफ्तार बसों की आमने-सामने हुई जोरदार भिड़ंत में 7 यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 17 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भयानक थी कि दुर्घटना के तुरंत बाद एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कई यात्रियों को बस से बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिल सका। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त दोनों बसें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की हैं।

पलटे टैंकर को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा:

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा मुख्य सड़क पर पहले से पलटे एक टैंकर को बचाने की कोशिश के दौरान घटित हुआ। टैंकर की टक्कर से अपनी गाड़ी को सुरक्षित बचाने के प्रयास में एक बस के चालक का स्टीयरिंग पर से अचानक संतुलन खो गया। संतुलन बिगड़ने से तेज रफ्तार बस डिवाइडर को लांघकर दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रही दूसरी तेज रफ्तार बस से सीधे टकरा गई। दोनों बसें गति में होने के कारण टक्कर मारते ही एक बस पलट गई और उसमें शॉर्ट सर्किट के चलते आग भड़क उठी। सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बस में लगी आग पर काबू पाया।

घायलों को तीन अस्पतालों में कराया भर्ती, 7 सूरत सिविल रेफर:

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और जिला कलेक्टर तेजस पटेल तुरंत राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंचे। कलेक्टर तेजस पटेल ने दुर्घटना के बारे में आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा शाम करीब 4:30 बजे हुआ। घायलों को तत्काल बारडोली के तीन अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वर्तमान में 17 घायलों का इलाज बारडोली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल में किया जा रहा है, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों की टीम मुस्तैदी से उपचार में जुटी है।

3 यात्रियों की हालत बेहद गंभीर:

कलेक्टर ने बताया कि बारडोली में उपचाराधीन मरीजों में से किसी की भी हालत फिलहाल चिंताजनक नहीं है। हालांकि, गंभीर चोटों के चलते 7 घायलों को बेहतर इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल रेफर किया गया है, जिनमें से तीन यात्रियों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाकर उनके परिजनों को सूचित कर दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

3000 पूर्व सैनिक, 1500 से अधिक सेवारत जवान और हजारों परिवारों की मांग: जहाजपुर में खोली जाए सीएसडी कैंटीन व ईसीएचएस केंद्र

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर

सैनिक बहुल क्षेत्र के रूप में पहचान रखने वाले जहाजपुर में वर्षों से लंबित सीएसडी (कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट) कैंटीन और ईसीएचएस (एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम) केंद्र खोलने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। पूर्व सैनिक कल्याण समिति ने क्षेत्र में बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए सरकार और रक्षा मंत्रालय से जहाजपुर में दोनों सुविधाएं शुरू करने की मांग की है। समिति का कहना है कि क्षेत्र में हजारों सैनिक, पूर्व सैनिक और उनके परिवार निवास करते हैं, लेकिन आज भी उन्हें छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। पूर्व सैनिक कल्याण समिति के अध्यक्ष भरत सिंह मीणा ने बताया कि जहाजपुर क्षेत्र में लगभग 3000 से अधिक भूतपूर्व सैनिक निवास कर रहे हैं, जबकि 1500 से अधिक सैनिक वर्तमान में भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा बलों में सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा जहाजपुर के आसपास स्थित केकड़ी, देवली, हिण्डोली और कोटड़ी क्षेत्रों में भी करीब 1500 सैनिक हैं। इन सैनिकों के परिवारों की संख्या लगभग 4500 है, जबकि जहाजपुर क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों के परिवारों की संख्या करीब 6000 के आसपास है।

उन्होंने कहा कि यदि सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रित परिवारों की कुल संख्या को देखा जाए तो यह आंकड़ा हजारों में पहुंचता है। इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद क्षेत्र में न तो सीएसडी कैंटीन उपलब्ध है और न ही ईसीएचएस की स्वास्थ्य सेवाएं

स्थानीय स्तर पर संचालित हैं। इसके कारण सैनिक परिवारों को रोजमर्रा की जरूरत की सामग्री खरीदने और चिकित्सा सुविधाओं के लिए भीलवाड़ा, अजमेर, कोटा तथा अन्य शहरों की यात्रा करनी पड़ती है।

भरत सिंह मीणा ने बताया कि सीएसडी कैंटीन की सुविधा नहीं होने से पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को आर्थिक एवं समय संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार बुजुर्ग पूर्व सैनिकों को केवल आवश्यक सामग्री लेने के लिए दर्जनों किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए ईसीएचएस केंद्र नहीं होने से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों को इलाज के लिए अन्य शहरों के अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि जहाजपुर क्षेत्र लंबे समय से देशभक्ति और सैनिक परंपरा के लिए जाना जाता रहा है। यहां के सैकड़ों युवा हर वर्ष सेना में भर्ती होकर देश की सीमाओं की रक्षा का दायित्व निभाते हैं। अनेक सैनिकों ने देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कई परिवारों की पीढ़ियां सेना से जुड़ी रही हैं। ऐसे क्षेत्र में सैनिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव चिंता का विषय है।

समिति का कहना है कि यदि जहाजपुर में सीएसडी कैंटीन स्थापित होती है तो जहाजपुर के साथ-साथ केकड़ी, देवली, हिण्डोली, कोटड़ी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों सैनिक एवं पूर्व सैनिक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इसी प्रकार ईसीएचएस केंद्र खुलने से बुजुर्ग पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी तथा अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी।

पूर्व सैनिक कल्याण समिति ने सरकार से मांग की है कि सैनिकों और पूर्व सैनिकों की संख्या को देखते हुए जहाजपुर में शीघ्र सर्वे कर सीएसडी कैंटीन और ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक की स्थापना को स्वीकृति दी जाए। समिति का मानना है कि यह केवल सुविधा का विषय नहीं बल्कि देश की सेवा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान से जुड़ा मुद्दा है।

समिति ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार, रक्षा मंत्रालय एवं संबंधित विभाग क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं को समझते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लेंगे। यदि जहाजपुर को सीएसडी कैंटीन और ईसीएचएस केंद्र की सौगात मिलती है तो इससे हजारों सैनिक परिवारों को राहत मिलेगी और क्षेत्र में सैनिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

भीलवाड़ा के वार्ड 24, 25 व 27 की बदहाली पर प्रशासन मौन: ज्ञापन सौंपने के 15 दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, कच्ची बस्तियों में आक्रोश

नगर निगम द्वारा बनाए गए नालों में भ्रष्टाचार के आरोप; टूटी सड़कें, गंदगी और बदबू के बीच डर के साए में जीने को मजबूर हैं कांवाखेड़ा के बाशिंदे, उग्र आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा नगर परिषद और जिला प्रशासन की उपेक्षा के कारण शहर के वार्ड संख्या 24, 25 एवं 27 की कच्ची बस्तियों के हालात बद से बदतर हो चुके हैं। कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा के कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल रेगर एवं जिला उपाध्यक्ष राकेश देसाई के संयुक्त तत्वावधान में इन वार्डों की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे पूरे 15 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन अब तक धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रशासन की इस बेरुखी और अनदेखी से कच्ची बस्तियों के पीड़ित नागरिकों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

नाला निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग, दो साल में ही ढही दीवारें:

कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा वर्ष 2022 में उक्त वार्डों में बरसाती पानी की निकासी के लिए कच्ची बस्ती में नालों का निर्माण करवाया गया था। इस निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और मानकों के अनुरूप नालों की गहराई भी नहीं रखी गई। भ्रष्टाचार का परिणाम यह रहा कि निर्माण के मात्र दो वर्ष के भीतर ही नालों की दीवारें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होकर ढह चुकी हैं। नालों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण उनमें भारी मात्रा में झाड़ियां एवं पेड़-पौधे उग आए हैं, जिससे नाले पूरी तरह अवरुद्ध हो चुके हैं।

गंदे पानी और जहरीले जीवों का डर, सड़कें भी हुईं पूरी तरह ध्वस्त:

सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व पार्षद प्रत्याशी राकेश देसाई ने बताया कि सरकारी स्कूल के पीछे सलीम भाई तगारी के घर से लेकर पूरण भाई सांसी के घर तक की मुख्य सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। इसी तरह कांवाखेड़ा में सामुदायिक भवन के पीछे बने बरसाती नाले में इस कदर कूड़ा-कचरा भरा हुआ है कि पानी का बहाव पूरी तरह बंद है। नाले से उठने वाली भयंकर सड़ांध और बदबू से क्षेत्रवासियों का जीना मुहाल हो गया है। गंदे पानी की वजह से कीड़े मकोड़े व जहरीले जीव-जंतु किसी भी समय लोगों के घरों में घुस जाते हैं, जिससे मौहल्लेवासी डर के साए में जीने को मजबूर हैं। इसके अलावा कांवाखेड़ा पुलिस चौकी के सामने 60 फीट रोड पर पेयजल की पाइपलाइन जगह-जगह से टूटी हुई है, जिससे हजारों लीटर शुद्ध पानी व्यर्थ बह रहा है।

निष्पक्ष जांच और उच्च स्तरीय स्वतंत्र समिति गठित करने की मांग:

प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल रेगर ने बताया कि पार्षदों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब वार्डवासियों की सुनने वाला कोई नहीं है। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच के लिए एक स्वतंत्र जांच समिति गठित की जाए, जो नाला निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं वित्तीय अनियमितताओं की जांच कर भ्रष्ट अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करे। इसके साथ ही मानसून पूर्व नालों की व्यापक सफाई, क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत, टूटी सड़कों का पुनर्निर्माण, बंद पड़ी रोड लाइटों को चालू करने तथा पेयजल आपूर्ति की समयावधि बढ़ाने की मांग की गई है।

जनहानि हुई तो प्रशासन होगा जिम्मेदार:

नेताओं ने दोटूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते मानसून आने से पहले आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो तेज बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न होकर लोगों के घरों में पानी घुस जाएगा, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता है। यदि बारिश के दौरान कोई भी जनहानि या जान-माल का नुकसान हुआ, तो उसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन और नगर निगम की होगी। इसके विरोध में समस्त वार्डवासियों को साथ लेकर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

लायंस क्लब विजयनगर एक्टिव का भव्य शुभारंभ, नई कार्यकारिणी का गठन

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। लायंस क्लब विजयनगर एक्टिव का शुभारंभ सोमवार, 1 जून 2026 को उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नवगठित कार्यकारिणी में लायन राधे गोपाल खंडेलवाल को अध्यक्ष, लायन चंद्रशेखर शर्मा को सचिव, लायन अशोक कुमार कुमठ को कोषाध्यक्ष तथा लायन विमलचंद कोठारी को उपाध्यक्ष चुना गया। उपस्थित सदस्यों ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

बैठक में लायन श्रवण नागौरी, राजेंद्र कुमार धनोपिया, विश्वनाथ पाराशर, अजय शर्मा, निर्मल जैन, जी.एल. यादव, रामकुमार चौधरी, अमित उपाध्याय, अंकित लोढ़ा, अनिल आचार्य, राजकुमार बिंदल एवं विमल बंठ सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

इस दौरान आगामी सेवा एवं सामाजिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने क्लब के माध्यम से समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अधिकाधिक सेवा प्रकल्प संचालित करने का संकल्प लिया।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का दो दिवसीय प्रदेश अधिवेशन का भव्यता के साथ समापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का प्रदेश अधिवेशन कोटा मे भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

परिषद के मीडिया प्रभारी अमित काबरा ने बताया कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद का दो दिवसीय अधिवेशन कोटा मे आयोजित हुआ, जिसका उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम कृष्ण बिरला द्वारा किया गया।

माँ सरस्वती और भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करने के साथ ही श्री बिरला ने अपने उद्बोधन मे साहित्य क़ो समाज के दर्पण के रूप मे व्याख्या करते हुए इसे समाज के आर्थिक और नैतिक मूल्यों का आधार बताया।

दो दिवसीय अधिवेशन के विविध सत्रों के साथ ही प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष पद पर श्री सुरेंद्र सिंह राव मावली, महामंत्री श्री विष्णु शर्मा 'हरिहर' कोटा, उपाध्यक्ष विनीत चौहान अलवर , संयुक्त मंत्री ओम प्रकाश भार्गव जयपुर, प्रचार प्रमुख श्री राजेंद्र कुमार गौड़ कोटा, लोक साहित्य प्रमुख श्री जग जितेंद्र सिंह भीलवाड़ा, बाल साहित्य प्रमुख श्री उमेश चौरसिया अजमेर, तथा कोषाध्यक्ष श्री केशव शर्मा जयपुर को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार अजमेर संभाग के लिए संयोजक श्रीमती रेखा लोढ़ा स्मित भीलवाड़ा , सहसंयोजक डॉक्टर सुरेश सिंह राठौड़ किशनगढ़ एवं सहसंयोजक श्री कुलदीप रतनू अजमेर को तथा भीलवाड़ा जिला की कार्यकारिणी के लिए अध्यक्ष श्री राजेंद्र प्रसाद ओस्तवाल, महामंत्री श्री दिनेश शर्मा डीन, कोषाध्यक्ष श्री वीरेंद्र कुमार लोढ़ा, उपाध्यक्ष श्रीलोकेश शर्मा पंडेर, सह मंत्री श्रीमती सरिता कंवर, प्रचार प्रमुख श्री अमित काबरा, युवा पाठक प्रमुख श्री ओम माली 'अंगारा' शाहपुरा, बाल साहित्य प्रमुख श्री सत्यनारायण ''सत्य' रायपुर तथा लोक साहित्य प्रमुख श्री मनमोहन सोनी को मनोनीत किया गया।

इस अधिवेशन में भीलवाड़ा से जगजीतेंद्र सिंह, रेखा लोढ़ा, मनमोहन सोनी, वीरेंद्र लोढ़ा सरिता कंवर, किरण कंवर, ओम माली अंगारा, लोकेश आसोपा ने भाग लिया।

एसीबी का बड़ा धमाका: पाली के बाद अब श्रीगंगानगर में पटवारी 50,000 की रिश्वत लेते ट्रैप, डमी नोटों के जाल में फंसा घूसखोर

स्मार्ट हलचल | श्रीगंगानगर/बीकानेर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ कार्रवाई को जारी रखते हुए सोमवार को पाली के बाद अब मंगलवार (2 जून) को श्रीगंगानगर जिले में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी की बीकानेर स्पेशल यूनिट की टीम ने पदमपुर तहसील में कार्यरत राजस्व पटवारी अंकुश कुमार को परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शातिर पटवारी रिश्वत की यह रकम किस्तों में वसूल रहा था, लेकिन एसीबी के डमी नोटों के चक्रव्यूह में फंस गया।

खाता विभाजन व शुद्धिकरण के नाम पर मांगी थी 1 लाख की घूस:

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने कार्रवाई की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि एक पीड़ित परिवादी ने स्पेशल यूनिट बीकानेर एसीबी टीम को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि पदमपुर तहसील का राजस्व पटवारी अंकुश कुमार उसके मुरब्बा नंबर 35 तथा खाता संख्या 135 के संयुक्त खाते का खाता विभाजन करने और उसमें शुद्धिकरण करने के एवज में 1,00,000 (एक लाख) रुपये की भारी-भरकम रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। रिश्वत न देने पर परिवादी को लगातार परेशान और चक्कर कटवाए जा रहे थे।

10 हजार असली और 40 हजार रुपये के डमी नोट देकर दबोचा:

एसीबी टीम ने गोपनीय तरीके से परिवादी की शिकायत का भौतिक सत्यापन करवाया, जिसमें रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद मंगलवार को एसीबी ने जाल बिछाया। पटवारी अंकुश कुमार रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये लेने को तैयार हुआ। जाल के तहत परिवादी को केमिकल लगे 10,000 रुपये की भारतीय मुद्रा और 40,000 रुपये के डमी नोट देकर भेजा गया। जैसे ही पटवारी ने रिश्वत की राशि थामी, वैसे ही इशारा मिलते ही घात लगाकर बैठी एसीबी टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। नोट छूते ही पटवारी के हाथ भी रंग गए।

आरोपी के अन्य ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन की तैयारी:

एसीबी ने घूसखोर पटवारी अंकुश कुमार को गिरफ्तार कर मौके से रिश्वत की राशि और डमी नोट बरामद कर लिए हैं। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। एसीबी के उच्चाधिकारियों का कहना है कि आरोपी पटवारी से सघन पूछताछ की जा रही है और आय से अधिक संपत्ति के मामले में उसके अन्य ठिकानों और आवास पर भी छापेमारी (सर्च) की जाएगी, जिसमें कई बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

श्री चंवरा के हनुमान जी मंदिर का खुला दानपात्र, 1 लाख 57 हजार 320 रुपये की राशि निकली

मंगलवार की महाआरती के बाद मंदिर निर्माण कमेटी और प्रबुद्धजनों की मौजूदगी में हुई नोटों की गिनती, भक्तों में दिखा भारी उत्साह

स्मार्ट हलचल

आकोला। मेवाड़ के सुप्रसिद्ध और आस्था के प्रमुख केंद्र श्री चंवरा के हनुमान जी मंदिर में मंगलवार को शुभ अवसर पर भगवान की विशेष आराधना के साथ ही मंदिर का दानपात्र (भंडारा) खोला गया। दोपहर 1:00 बजे आयोजित भव्य महाआरती के ठीक पश्चात मंदिर निर्माण कमेटी के पदाधिकारियों और प्रबुद्ध नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में दानपात्र को खोला गया, जिसमें से कुल 1 लाख 57 हजार 320 रुपये की श्रद्धा राशि प्राप्त हुई है।

कमेटी पदाधिकारियों की देखरेख में हुई पारदर्शी गिनती:

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार को हनुमान जी के दरबार में अल सुबह से ही दर्शनार्थियों का तांता लगा हुआ था। दोपहर की महाआरती संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में ही दानपात्र को खोलकर उसमें आई राशि की पारदर्शी तरीके से गिनती शुरू की गई। श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धाभाव से चढ़ाए गए नोटों और सिक्कों की कुल गणना करने पर 1,57,320 रुपये की सम्मानजनक राशि एकत्रित हुई। इस राशि का उपयोग मंदिर के विकास कार्यों और धार्मिक आयोजनों में किया जाएगा।

गणना के दौरान ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित:

दानपात्र खोलने और राशि की गिनती के इस पुनीत अवसर पर चंवरा के हनुमान जी मंदिर निर्माण कमेटी के अध्यक्ष बालूराम अहीर, उपाध्यक्ष गोपाल गुर्जर, कोषाध्यक्ष सुरेश बसेर तथा सचिव मदन सुथार मुख्य रूप से मौजूद रहे। इनके साथ ही कालू सिंह चौहान, घनश्याम राठी, दिनेश पोरवाल, सत्यनारायण काबरा, मोहन सिंह, ओम प्रकाश पोरवाल, जगदीश चंद्र पोरवाल, नारायण गुर्जर, कालू जायसवाल, नेत्रपाल सिंह राठौड़, दीपक पोरवाल, केशव पोरवाल, लक्ष्मण सिंह, तारा शंकर जायसवाल और बालूलाल शर्मा सहित क्षेत्र के दर्जनों प्रबुद्ध समाजजन और हनुमान भक्त उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ

गौकर्ण कथा से गुंजी भागवत महिमा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पूरणमल-सम्पत देवी रांदड़ परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। प्रातः सिद्ध बली हनुमान मंदिर से श्रद्धालु महिलाओं एवं पुरुषों ने पारंपरिक वेशभूषा में मंगल कलश धारण कर भक्ति भाव से शोभायात्रा निकाली, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई महेश वाटिका स्थित कथा स्थल पहुंची।

कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों एवं भजन-कीर्तन से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कथा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण की विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया गया।

कथाव्यास श्रद्धेय कृपाराम जी महाराज (जोधपुर) ने प्रथम दिवस की कथा में श्रीमद्भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के मार्ग पर ले जाने वाला दिव्य प्रकाश है। उन्होंने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम, सत्संग और भागवत श्रवण से ही मनुष्य का कल्याण संभव है।

कथाव्यास ने गौकर्ण एवं धुंधकारी की पावन कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत श्रवण की महिमा से पापी से पापी व्यक्ति का भी उद्धार हो सकता है। उन्होंने कहा कि गौकर्ण द्वारा सुनाई गई भागवत कथा के प्रभाव से धुंधकारी को प्रेत योनि से मुक्ति प्राप्त हुई, जिससे भागवत कथा की महिमा और महत्व का संदेश मिलता है।

कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति के पंकज रांदड़ और जगदीश सोनी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव 8 जून तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा। उन्होंने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं धर्मलाभ लेने का आग्रह किया।

भीषण गर्मी में पशु कल्याण पर सख्त एक्शन: भीलवाड़ा में दोपहर 12 से 3 बजे तक भारवाहक पशुओं का काम लेना प्रतिबंधित; पशु-पक्षियों के लिए पेयजल सुनिश्चित करने के निर्देश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा। राज्य के अधिकांश भागों में बढ़ते तापमान के मद्देनजर प्रशासन ने भारवाहक पशुओं (घोड़े, गधे, खच्चर, बैल, भैंसा आदि) के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत, अब ग्रीष्म ऋतु के दौरान दोपहर 12 बजे से 3 बजे के मध्य भार वहन तथा कृषि कार्यों में पशुओं का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इसके अतिरिक्त, गर्मी के मौसम में पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी व्यापक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रतिबंध का कारण और कानूनी आधार

यह सख्त निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि तीव्र धूप और अत्यधिक गर्मी के कारण भारवाहक पशुओं को हीट स्ट्रोक, निर्जलीकरण, अत्यधिक थकावट तथा मृत्यु जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, गर्मी के कारण प्राकृतिक जल स्त्रोतों के सूखने से पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

प्रशासन ने इन निर्देशों के समर्थन में निम्नलिखित विधिक प्रावधानों का भी हवाला दिया है: पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 3: इसके अनुसार, जीव-जन्तु की देखभाल करने वाले हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह उसे अनावश्यक पीड़ा या यातना से बचाने के लिए सभी युक्तियुक्त उपाय करे।

भार ढोने वाले और माल ढोने वाले पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण नियम, 1965 के नियम 6 (उपनियम 3): यह नियम उन क्षेत्रों में दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच पशुओं का उपयोग प्रतिबंधित करता है, जहां तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहता हो। पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण (पशुओं का पैदल परिवहन) नियम, 2001 के नियम 12: इसके तहत 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर किसी भी जानवर का पैदल परिवहन नहीं किया जाएगा।

प्रशासन को दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश

जिलों में दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों, पुलिस प्रशासन एवं अन्य अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया गया है। भारवाहक पशुओं का उपयोग प्रतिबंधित रखना: संबंधित अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में दोपहर 12 बजे से 3 बजे के मध्य पशुओं के भार वहन और कृषि कार्यों में उपयोग को प्रतिबंधित रखें। पशु मालिकों को जागरूक किया जाए कि वे कार्य में लगे पशुओं के लिए पर्याप्त छाया, शीतल, स्वच्छ पेयजल तथा पौष्टिक चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पशुओं के लिए जलकुंड की व्यवस्था: ग्रीष्मकाल में निराश्रित, राह से गुजरने वाले एवं कार्यशील पशुओं के लिए जन-सहभागिता से पशु आश्रय स्थलों, गौशालाओं, चारागाहों एवं मार्गों के आसपास उपयुक्त स्थानों पर पर्याप्त जलकुंडों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पक्षियों के लिए परिंडों की व्यवस्था: पक्षियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आमजन एवं स्वयंसेवी संगठनों को विद्यालयों, राजकीय संस्थानों, कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और घरों जैसे उपयुक्त स्थानों पर परिंडे (जल पात्र) लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। नियमित जलभराव: स्थापित किए गए जलकुंडों और परिंडों में नियमित रूप से जलभराव सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, गौशालाओं, सामाजिक संगठनों एवं जन सहयोग को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गैस एजेंसियों पर औचक जांच अभियान में 7 हजार रुपये जुर्माना

उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए विभाग की सख्ती

चित्तौड़गढ़। उपभोक्ता हितों की सुरक्षा एवं सही माप तौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा जिले में गैस एजेंसियों के विरुद्ध व्यापक औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। विधिक माप विज्ञान अधिनियमए 2009 तथा राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 के तहत गठित विभागीय जांच दल ने जिले की चार गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अनियमितताओं पर 7 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया।

सहायक नियंत्रक विधिक माप विज्ञान भूपराज जाटव एवं निरीक्षक विधिक माप विज्ञान हिमानी सिंह सोलंकी के नेतृत्व में गठित दल ने गांधीनगर स्थित प्रियंका गैस एजेंसी एवं भैरव भारत गैस एजेंसी, मंगलवाड़ क्षेत्र स्थित शीतल भारत गैस ग्रामीण वितरक तथा निम्बाहेड़ा स्थित कालिका भारत गैस सर्विस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा गैस की कम आपूर्ति संबंधी प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न घरेलू गैस सिलेंडरों का तौल कर सत्यापन किया गया। जांच में सभी सिलेंडर निर्धारित मानकों के अनुरूप वजन में सही पाए गए, हालांकि निरीक्षण के दौरान विधिक माप विज्ञान अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के उल्लंघन के मामले सामने आने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करते हुए कुल 7 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए ऐसे निरीक्षण अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे। दोषी पाए जाने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने ली परवन परियोजना की समीक्षा बैठक, लिफ्ट परियोजनाओं में तेजी लाने और टेस्टिंग के निर्देश

इंडस्ट्रियल के बजाय 'कृषि टैरिफ' पर जारी हों परियोजना में बिजली कनेक्शन, मंत्री नागर ने दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 2 मई को सांगोद ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मंगलवार को सांगोद स्थित अपने निजी आवास पर ईआरसीपी और बिजली विभाग से जुड़े उच्च अधिकारियों एवं अभियंताओं की समीक्षा बैठक ली। बैठक में परवन वृहद सिंचाई परियोजना की प्रगति, बिजली कनेक्शन और क्षेत्र की विभिन्न लिफ्ट परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक में जल संसाधन विभाग और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के आला अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने अधिकारियों को सख्त लहजे में स्पष्ट आदेश दिए कि परवन परियोजना के अंतर्गत दिए जाने वाले बिजली कनेक्शन 'कमर्शियल' या 'इंडस्ट्रियल' श्रेणी के बजाय 'कृषि कनेक्शन' के रूप में जारी किए जाएं। ये कनेक्शन जल उपयोक्ता संगम के नाम पर जारी होंगे। मंत्री नागर ने कहा कि अभी तक इंडस्ट्रियल कनेक्शन जारी होने के कारण टैरिफ बहुत ज्यादा आ रहा था। जिससे व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। अब इसे संस्थागत और कृषि आधार पर प्राथमिकता से जारी किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने सांगोद नगर पालिका के ईओ और स्थानीय तहसीलदार को मौके पर बुलाकर सांगोद में एईएन ऑफिस के नए भवन निर्माण के लिए जल्द से जल्द डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य जिले के

प्रत्येक क्षेत्र को सतही जल से सिंचित करना है ताकि कोई भी गांव सिंचाई सुविधाओं से वंचित न रहे। बैठक में जेवीवीएनएल के एसई शिवचरण जांगिड़, डब्ल्यूआरडी के अधिशासी अभियंता चंद्रशेखर मीना, विजेंद्र कुमार सोनी और सहायक अभियंता ललित कुमार नुवाल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाही पर मंत्री की नाराजगी: 'अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी'

परियोजनाओं की गति बढ़ाने पर जोर देते हुए ऊर्जा मंत्री ने धुलेट टू लिफ्ट परियोजना से तत्काल कनेक्शन जारी करने को कहा, ताकि कनवास क्षेत्र के 14 गांवों को जल्द से जल्द पानी मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने देवली लिफ्ट परियोजना को भी शीघ्र पानी देने के लिए निर्देशित किया। समीक्षा के दौरान परवन वृहद सिंचाई परियोजना के फेज-1 और फेज-2 की कछुआ चाल पर नाराजगी जताते हुए मंत्री नागर ने अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खेत खाली हैं, इसलिए पाइपलाइन और लिफ्ट की टेस्टिंग का कार्य तत्काल पूरा किया जाना चाहिए। टेस्टिंग के लिए जरूरी 6 बिजली कनेक्शन अब तक जारी न होने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि यदि अभी टेस्टिंग नहीं हुई, तो अगले एक साल तक मौका नहीं मिलेगा। परियोजना में देरी के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' के तहत सुनीं जनसमस्याएं

इसके पश्चात, मंत्री नागर ने बोरिनाकलां, अमृतकुआं, किशनपुरा, हींगी और दीगोद क्षेत्रों का दौरा किया। वहां उन्होंने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' के तहत आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को पाबंद किया कि जनता से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और स्थाई निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खाद्य सामग्री के ठेलों एवं दुकानों का संचालन समय बढ़ाने की मांग

चित्तौड़गढ़। व्यापार महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल ने महासंघ के अध्यक्ष सुनील जागेटिया के नेतृत्व में नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा का स्वागत किया। पुलिस अधिकारियों से बैठक के दौरान व्यापार महासंघ ने शहर में खाद्य सामग्री के ठेलों एवं दुकानों के संचालन समय को रात्रि 10 बजे से बढ़ाकर 11 बजे तक करने की मांग भी रखी। महासंघ का कहना था कि इससे छोटे व्यापारियों को व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी और शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। महासंघ के मंत्री राजकुमार बज ने शहर में बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए ट्रैफिक व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान महासंघ के सचिव प्रतीक बोहरा ने शहर में लगे सीसी टीवी कैमरों को सुचारू रूप से संचालित करने, नई पुलिया क्षेत्र में तेज गति से चलने वाले वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण एवं नियमित कार्रवाई करने, शहर के बाजार क्षेत्रों में दुकानों के बाहर पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए व्हाइट लाइनिंग करवाने की भी मांग की।

जल संरक्षण ही भविष्य की सुरक्षा का आधार : प्रो. सारस्वत

जल संकट रोकने के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी — संगोष्ठी में वक्ताओं का आह्वान

स्मार्ट हलचल|कोटा

जीओ गीता परिवार, कोटा एवं राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, कोटा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय सभागार में 'जल है जीवन का आधार : संरक्षण ही समाधान' विषयक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में जल संरक्षण को लेकर सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी पर जोर दिया गया।

जीओ गीता परिवार के अध्यक्ष चंद्रकांत खंडेलवाल ने बताया कि संगोष्ठी में मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत रहे। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं संरक्षक पंकज मेहता, समिति के प्रदेश संयोजक किशन पाठक, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि मनोज जैन मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि प्रो. सारस्वत ने उपस्थित जनों को जल संरक्षण की

शपथ दिलाते हुए कहा कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव से जल संकट को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा नहीं बनाया गया तो भविष्य में जल संघर्ष गंभीर रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर उपलब्ध जल का केवल तीन प्रतिशत ही पेयजल योग्य है, जिसे मानव लगातार व्यर्थ बहा रहा है।

स्वागत भाषण में किशन पाठक ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की।पाठक ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। घर, विद्यालय, कार्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर जल के विवेकपूर्ण उपयोग की आदत विकसित करनी होगी। वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, तालाबों एवं बावड़ियों का पुनर्जीवन तथा भूजल पुनर्भरण जैसे उपाय समय की आवश्यकता हैं।

प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा ने संस्कृत उद्बोधन में जल को देवतुल्य बताया, जबकि पंकज मेहता ने जल के दुरुपयोग और अंधाधुंध दोहन पर रोक लगाने की आवश्यकता जताई।विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षाविद् मनोज जैन ने कहा कि जल संरक्षण के संस्कार बचपन से विकसित किए जाने चाहिए। विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को इस दिशा में विशेष भूमिका निभानी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गीता मनीषी महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी ज्ञानानंद महाराज के प्रेरक संदेश का वाचन जीयो गीता परिवार की पदाधिकारि सारिका मित्तल द्वारा किया गया, जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता के दृष्टिकोण से जल संरक्षण का महत्व बताया गया। जीओ गीता परिवार कोटा के अध्यक्ष चंद्रकांत खंडेलवाल ने बताया कि संगोष्ठी में जल संकट, वर्षा जल संचयन, जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यक्रम का संचालन चन्द्रप्रकाश नागर ने किया एवम आभार व्यक्त चंद्रकांत खंडेलवाल ने किया

कार्यक्रम के प्रारंभ मे अतिथियो द्वारा भारत माता एवं धन्वन्तरि देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर, माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, सभी अतिथियो का उपरना उडा कर, तुलसी का पौधा एवम गीता मनीषी महामंडलेश्वर ज्ञानानंद महाराज द्वारा लिखित गीता प्रेरणा पुस्तक भेंट की गई,

कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद डॉ. अंजना शर्मा, बाबूलाल भाट, हरि सुदन शर्मा, नवल गर्ग, आचार्य चन्द्रशेखर, अनीता चौहान, जगदीश बडेरा, कुंजबिहारी नदंवाना, सारिका मित्तल रचना पाठक, घनश्याम शर्मा, ललित चितौडा, जगदीश शर्मा, लीलाधर गुप्ता, महेंद्र विजय, सहित अनेक गणमान्यजन एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गांवों की दयनीय स्थिति से ग्रामीण परेशान, पंचायत में नहीं होती सुनवाई

पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर के स्वच्छ पंचायत की पंचायत के जिम्मेदार नहीं कर रहे सुनवाई

स्मार्ट हलचल|लाखेरी

उपखंड के देईखेड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुख्यालय गुहाटा के ग्रामीणों ने गांव की मुख्य सड़क पर हो रहे अतिक्रमण, जल निकासी की समस्या और सड़क की खराब हालत को लेकर उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र चौधरी को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान नही होने पर पंचायत भवन के तालाबन्दी की चेतावनी दी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण से सड़क संकरी हो गई है, जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य वाहनों के आवागमन में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के दोनों ओर नालियां नहीं होने से घरों का पानी सड़क पर फैल जाता है, जिससे कीचड़ और गड्ढों की समस्या बनी रहती है। कई बार राहगीर और बच्चे फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाने, सड़क के दोनों ओर नालियों का निर्माण कराने तथा गड्ढों की मरम्मत करवाने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस दौरान उपसरपंच रघुवीर बैरागी, वार्ड पंच टिंकू मीणा, कांग्रेस नेता रामहेत मीणा, पंच लालचंद बैरवा , रामबिलास मीणा, रामेश्वर मीणा, सुरेश मीणा, मस्तराम मीणा, हेमन्त सैनी सहित अनेक ग्रामीण शामिल रहे।

राहगीर हो रहे चोटिल, पंचायत नहीं दे रही ध्यान

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि कीचड़ के कारण सड़क से पैदल निकलना भी दूभर है और आए दिन ही राहगीर व बाइक सवार फिसल कर गिरने से चोटिल हो रहे है कई बार स्थानीय पंचायत को बताया परन्तु कोई सुनवाई नही हो रही है।

बून्दीवासियों को घर के नजदीक मिलेगी पासपोर्ट सेवा की सुविधा

4 जून को लोकसभा अध्यक्ष करेंगे डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन

स्मार्ट हलचल|बून्दी

छोटी काशी बून्दी 4 जून को एक महत्वपूर्ण नागरिक सुविधा से जुड़ने जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जिले में डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन करेंगे। इसके शुरू होने से बून्दी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को पासपोर्ट संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। अब तक पासपोर्ट बनवाने या उससे संबंधित अन्य कार्यों के लिए बून्दी के लोगों को कोटा अथवा जयपुर जाना पड़ता था, जिससे समय और अतिरिक्त खर्च दोनों लगते थे। नए केंद्र के शुरू होने से यह सुविधा अब शहर में ही उपलब्ध होगी। मुख्य डाकघर परिसर के निकट स्थापित यह केंद्र ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के नागरिकों के लिए समान रूप से सुविधाजनक रहेगा।

नए केंद्र में प्रतिदिन लगभग 40 आवेदनों की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। इससे आवेदन

प्रक्रिया में तेजी आएगी और लोगों को अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दस्तावेजों के सत्यापन सहित अधिकांश औपचारिकताएं यहीं पूरी हो जाएंगी। इस सुविधा का विशेष लाभ विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, पेशेवरों, व्यापारियों और विदेश यात्रा की योजना बना रहे लोगों को मिलेगा।

वर्तमान में देशभर में 37 क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र तथा 450 से अधिक डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र संचालित हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय और भारतीय डाक विभाग के सहयोग से यह सुविधा छोटे शहरों और जिलों तक पहुंचाई गई है। कोटा स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय हाड़ौती सहित पूर्वी और दक्षिणी राज-स्थान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है और अब तक 2 लाख से अधिक पासपोर्ट जारी कर चुका है। बून्दी में यह केंद्र शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल अपॉइंटमेंट, एसएमएस सूचना और त्वरित पुलिस सत्यापन जैसी व्यवस्थाओं ने पासपोर्ट सेवाएं अब पहले की तुलना में अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी होगी।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्रवासी लंबे समय से इस सुविधा की मांग कर रहे थे। केंद्र शुरू होने के बाद पासपोर्ट संबंधी सेवाएं अधिक सुलभ, तेज और सुविधाजनक हो जाएंगी, जिससे बून्दी सहित पूरे हाड़ौती क्षेत्र के नागरिकों को लाभ मिलेगा।

उपखंड न्यायालय भवानीमंडी का ऐतिहासिक निर्णय

साढ़े अठारह बीघा बहुमूल्य भूमि पुनः श्रीराम मंदिर के नाम दर्ज

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। उपखंड न्यायालय भवानीमंडी ने एक महत्वपूर्ण निर्णय पारित करते हुए कस्बा पचपहाड़ स्थित ऐतिहासिक 'श्रीराम मंदिर' की बहुमूल्य भूमि को पुनः मंदिर के नाम दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं। राजस्व रिकॉर्ड में हुई एक गंभीर लिपिकीय त्रुटि के कारण पिछले पांच दशकों से अधिक समय से यह भूमि पुजारी परिवार के नाम दर्ज चली आ रही थी, जो राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के विधिक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन था।

यह विवाद वर्ष 2011 में न्यायालय के समक्ष आया, जब संबंधित पुजारी परिवार एवं वर्तमान खातेदारों में से एक पक्ष ने वाद प्रस्तुत किया। प्रार्थी पक्ष ने ग्राम मांडवी स्थित कुल 18 बीघा 8 बिस्वा (साढ़े अठारह बीघा) भूमि को पुनः 'श्रीराम मंदिर पचपहाड़' के स्वामित्व में दर्ज करने का आग्रह किया था।

लोक अदालत द्वारा इस भूमि को मंदिर के नाम दर्ज करने का आदेश दिया गया था, किंतु द्वितीय पक्ष द्वारा अपीलीय न्यायालय में चुनौती दिए जाने के कारण प्रकरण पुनः उपखंड न्यायालय भवानीमंडी को प्रेषित कर दिया गया। लंबे समय से लंबित चल रहे इस मामले को 'मंदिर माफी' की भूमि से संबद्ध होने के कारण न्यायालय द्वारा अत्यंत संवेदनशीलता व गंभीरता से लिया गया।

प्रकरण में प्रस्तुत साक्ष्यों और तहसीलदार पचपहाड़ द्वारा प्रेषित विस्तृत जांच रिपोर्ट के सूक्ष्म अवलोकन से यह तथ्य सिद्ध हुआ कि यह भूमि मूल रूप से 'खाता मुआफियत' के अंतर्गत 'मंदिर श्री राम जी पचपहाड़' के नाम दर्ज थी। न्यायालय ने माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णयों का उल्लेख करते हुए रेखांकित किया कि राज्य के प्रशासनिक अधिकारियों और न्यायालयों का यह परम विधिक दायित्व है कि वे नाबालिगों, दिव्यांगों और 'देवता' के हितों की अटूट रक्षा करें। कानूनन, देवता को एक 'शाश्वत नाबालिग' माना गया है, जो राज्य के विशेष संरक्षण के पात्र हैं। 02 जून, 2026 को ऐतिहासिक निर्णय पारित करते हुए उपखंड अधिकारी सुश्री श्रद्धा गोमे ने न केवल भूमि को मंदिर के नाम दर्ज करने का निर्देश दिया, बल्कि भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इस भूमि को किसी भी व्यक्ति द्वारा विक्रय अथवा हस्तांतरित किए जाने पर कानूनी रूप से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इस निर्णय का स्थानीय जनता और श्रद्धालुओं ने व्यापक स्वागत किया. यहां यह उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी भवानी मंडी उपखंड अधिकारी श्रद्धा गोमे द्वारा मेला मैदान तथा शिवालय मंदिर भूमि में ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं।

बिजली के स्मार्ट मीटरों पर रोक लगाने और मारुभाट समाज के विस्थापित परिवारों के पुनर्वास की मांग को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी, सांगोद ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल|सांगोद

क्षेत्र की दो अत्यंत गंभीर और जनहित से जुड़ी समस्याओं को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी सांगोद के द्वारा नगर अध्यक्ष मनोज सुवालका के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम एक ज्ञापन उपखंड कार्यालय सांगोद में माननीय तहसीलदार जी को सौंपा गया। ज्ञापन में बिजली विभाग द्वारा बिना बिजली उपभोक्ता की सहमति लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों पर तुरंत रोक लगाने और अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत बेघर हुए मारूभाट मारवाड़ा समाज के गरीब परिवारों को पुनः बसाने की पुरजोर मांग की गई है।

नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज सुवालका, ब्लॉक अध्यक्ष मिर्जा शकील अहमद, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष असरार अहमद, पूर्व नगर अध्यक्ष राजेंद्र गहलोत, जिला कांग्रेस सचिव अफसार प्रधान, नगर कांग्रेस प्रभारी जगदीश नागर, किराड़ समाज अध्यक्ष सत्यनारायण मेहता, अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष सलीम

अंसारी ने बताया कि सांगोद में इन दिनों बिजली विभाग द्वारा आम जनता की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जबकि लोगों के घरों में पहले से ही सही स्थिति में मीटर काम कर रहे हैं। स्मार्ट मीटरों के कारण उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिल आने और बार-बार रिचार्ज कराने की बाध्यता का सामना करना पड़ सकता है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग बेहद परेशान है। कई जगहों पर तकनीकी खामियों के कारण हजारों-लाखों के भारी-भरकम बिल आ रहे हैं। पूर्व में सरकार द्वारा यह स्पष्ट व्यवस्था दी गई थी कि उपभोक्ता की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा सकते, इसके बावजूद प्रशासन नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है।

ज्ञापन में दूसरी बड़ी समस्या उठाते हुए कहा गया कि उपखंड कार्यालय सांगोद के पास अंता रोड पर पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय से शांतिपूर्वक रह रहे मारूभाट मारवाड़ा समाज के आशियानों को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत ध्वस्त कर दिया है। इस अमानवीय कार्रवाई के कारण इस तपती भीषण गर्मी में छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इन विस्थापित परिवारों को शीघ्र वैकल्पिक भूखंड आवंटित किए जाएं और प्रधानमंत्री आवास योजना या अन्य पुनर्वास योजनाओं के तहत मकान बनाकर दिए जाएं। और जब तक उनके लिए आवास की व्यवस्था नहीं हो तब तक उनके लिए वैकल्पिक आवास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। इस बस्ती में लगभग 60 परिवार निवास करते थे जबकि 36 परिवारों को ही पट्टे उपलब्ध करवाने की कवायद चल रही है शेष परिवारों को पट्टे नहीं मिलने पर उनका क्या होगा वह कहां जाएंगे इसका भी प्रशासन को जवाब देना चाहिए। और जिस स्थान पर इनको रहने के लिए पट्टे दिए जा रहे हैं वहां पर विद्युत और जल की व्यवस्था भी की जाए।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने इन दोनों संवेदनशील मामलों पर तुरंत और सकारात्मक कार्रवाई नहीं की, तो जनहित में नगर कांग्रेस कमेटी आम जनता के साथ मिलकर एक बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

इस दौरान पूर्व सरपंच शिवराम मेहता, नगर संगठन महासचिव निरंजन जैन, नगर महासचिव गजेंद्र सिंह, युवा नेता सिद्धार्थ सुवालका, नगर उपाध्यक्ष शहजाद खान, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजमल किराड़, पूर्व सरपंच फूलचंद गोचर, ब्लॉक उपाध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम, पार्षद दिलीप सेन, पार्षद कन्हैया लाल मीणा, मनोज तिवारी, पूर्व पार्षद बृजमोहन रेगर, पूर्व पार्षद रघुवीर मीणा, धनराज मीणा फौजी, शौकत अंसारी, मोहम्मद सलीम, धनराज मीणा, सिद्धार्थ मीणा, उरफान अंसारी, नगर उपाध्यक्ष शकील अहमद, नगर महासचिव दिनेश सोनी, नगर प्रवक्ता शकील बैग, अल्पसंख्यक जिला प्रवक्ता मुसव्विर खान, छात्र नेता भोजराज गुर्जर, नगर सचिव इकबाल सिंगीवाला, युसूफ अली, नगर सचिव रफीक ठेकेदार, नगर सचिव सुरेंद्र बागड़ी, वसीम जलाल, रोहित शर्मा, सोनू गौतम, भवानी शंकर रेगर, रायशाय मीणा, दिनेश मीणा, देवलाल कुशवाहा, एफाज हुसैन, जाकिर हुसैन टिल्लू, योगेश शर्मा, इलियास अंसारी, कदीर पठान, रफीक नियारगीर, अमजद अंसारी, शफीक अंसारी, अजहर अंसारी, ताहिर अंसारी, मंजूर भाई मिस्त्री, विक्की रेगर, राधेश्याम नायक महेंद्र गुर्जर, कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और प्रभावित परिवारों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस्कॉन गोविंद धाम में दिव्य 'नौका विहार' और 'आम रस महोत्सव' की धूम

स्मार्ट हलचल|कोटा

स्थानीय इस्कॉन गोविंद धाम, किशोरपुरा में भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के बीच दिव्य 'नौका विहार' एवं 'आम रस महोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के दर्शन एवं संकीर्तन का आनंद लिया।

मंदिर प्रांगण में भगवान के विशेष 'नौका विहार' उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें सुसज्जित नौका में विराजित प्रभु के दर्शन भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। भक्ति गीतों और 'हरे कृष्ण' संकीर्तन के बीच श्रद्धालुओं ने प्रभु की आराधना की।

इस अवसर पर मंदिर परिसर को विभिन्न प्रकार के आमों से विशेष रूप से सजाया गया। 'आम रस महोत्सव' के अंतर्गत भगवान का आकर्षक श्रृंगार भी पूर्णतः आमों से किया गया, जिसने उपस्थित भक्तों को विशेष रूप से मंत्रमुग्ध किया। आमों की सुगंध और मनोहारी सजावट से पूरा मंदिर

भक्तिमय वातावरण में सराबोर दिखाई दिया।

उत्सव के दौरान आयोजित विशेष प्रवचन में वक्ताओं ने पुरुषोत्तम मास की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह मास भगवान पुरुषोत्तम को अत्यंत प्रिय है तथा इस अवधि में की गई भक्ति, जप, दान और साधना का विशेष पुण्य फल प्राप्त होता है। प्रवचन से प्रेरित होकर श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष दीपदान कर आस्था प्रकट की। मंदिर से जुड़े भक्तों ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में प्रभु को शीतलता एवं आनंद प्रदान करने की भावना से 'नौका विहार' और 'आम रस महोत्सव' जैसे उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जो भक्ति और संस्कृति की अनूठी अनुभूति कराते हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र में तीसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ, यह उच्च गति रेल खंड में तीव्र प्रगति का संकेत है

पालघर जिले में महज पांच महीनों में तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा होने से देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को और गति मिली है

स्मार्ट हलचल|कोटा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धि के रूप में महाराष्ट्र के पालघर जिले के दहानू तालुका के अंबेसारी गांव में तीसरी पर्वतीय सुरंग (एमटी-07) का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ है। महाराष्ट्र में पिछले पांच महीनों के भीतर तीन पर्वतीय सुरंगों का निर्माण पूरा हो चुका है। यह देश के पहले हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के सबसे तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण खंडों में से एक में हुई तीव्र प्रगति को दर्शाता है।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की दोनों ओर की पटरियों के लिए हाल ही में बनकर तैयार हुई एमटी-07 पर्वतीय सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इस सुरंग की खुदाई दोनों सिरों से नियंत्रित ड्रिलिंग और विस्फोट विधि द्वारा की गई। निर्माण के दौरान उन्नत इंजीनियरिंग और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

खुदाई की पूरी प्रक्रिया की अवधि में संरचनात्मक स्थिरता, श्रमिकों की सुरक्षा और सटीक निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक निगरानी प्रणालियों और भू-तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया गया। सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (एसएसपी), 3डी टारगेट, स्ट्रेन गेज और सिस्मोग्राफ सहित वास्तविक समय की निगरानी व्यवस्थाओं द्वारा कंपन, सुरंग की गतिविधि और आसपास की संरचनाओं पर निरंतर नजर बनाई रखी गई। सुरंग निर्माण कार्यों के दौरान वेंटिलेशन सिस्टम, अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, नियंत्रित पहुंच और निरंतर भू-तकनीकी पर्यवेक्षण सहित व्यापक श्रमिक सुरक्षा उपायों में कोई भी ढील नहीं दी गई।

महाराष्ट्र में पहले हुए सुरंग निर्माण कार्य

यह सफलता परियोजना के महाराष्ट्र खंड में पहले हासिल की गई उपलब्धियों पर आधारित है। 1.5 किलोमीटर लंबी पहली पर्वतीय सुरंग (एमटी-05) का निर्माण 2 जनवरी 2026 को पालघर जिले के सफाले के पास पूरा हुआ। यह उपलब्धि महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन परियोजना की पहली सफल पर्वतीय सुरंग निर्माण के रूप में सामने आई। इसके बाद 3 फरवरी 2026 को दूसरी सुरंग (एमटी-06) का निर्माण हुआ, इसमें न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके 454 मीटर लंबी सुरंग खोदी गई। इस तरह पालघर जिले में लगभग एक महीने के भीतर दो सफल निर्माण पूरे हुए।

महाराष्ट्र में निर्माणाधीन सात पर्वतीय सुरंगों में से, एमटी-05, एमटी-06 और एमटी-07 में अब तक खुदाई का काम पूरा हो चुका है। एमटी-08 (350 मीटर) में 5 अक्टूबर 2023 को खुदाई का काम पूरा हो गया था, एमटी-03 की खुदाई 80 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चुकी है, एमटी-04 लगभग 60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि एमटी-01 और एमटी-02 में काम लगातार जारी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की कुल आठ पर्वतीय सुरंगों में से सात महाराष्ट्र के पालघर जिले के अंतर्गत आती हैं और एक गुजरात के वलसाड जिले में है और उस सुरंग का काम पहले ही पूरा हो चुका है।

वापी और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच तीनों पर्वतीय सुरंगों की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र के बोइसर और गुजरात के वापी के बीच एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र से होकर गुजरता है। वहां के निर्माण कार्य तेजी से प्रगति हो रही है। इन दोनों शहरों के बीच के मार्ग में तीन (03) पर्वतीय सुरंगें (एमटी 08, एमटी -07 और एमटी-06) शामिल हैं। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना उन्नत सुरंग, निगरानी और निर्माण प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा दे रही है। सुरक्षित, आधुनिक और भविष्य के लिए रेल परिवहन की नींव रखे जाने से देश की हाई-स्पीड रेल अवसंरचना में क्षमताएं मजबूत हो रही हैं।

दस दिवसीय सनातन संस्कार शिविर का शुभारंभ आज

चित्तौड़गढ़। स्थानीय तत्सत् पारमार्थिक संस्था के तत्वावधान में 3 से 12 जून तक आयोजित दस दिवसीय आवासीय सनातन संस्कार शिविर का शुभारंभ बुधवार को शहर के किला रोड स्थित श्री सांवलिया जी विश्रांति गृह में वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजन-अर्चन के साथ किया जायेगा।

संस्था द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित किए जा रहे इस शिविर का उद्देश्य सनातन धर्म, वैदिक संस्कृति, भारतीय परम्पराओं एवं नैतिक मूल्यों का संरक्षण तथा नई पीढ़ी में संस्कारों का संवर्धन करना है। शिविर में 12 वर्ष से अधिक आयु के बालक-बालिकाओं, युवक-युवतियों तथा महिला-पुरुषों को पूर्णतः आवासीय व्यवस्था के साथ प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि इस दस दिवसीय शिविर में सहभागी शिविरार्थियों को दैनिक जीवन में वैदिक दिनचर्या अपनाने, अनुशासन, आत्मसंयम तथा धर्ममय जीवन शैली का अभ्यास करवाया जाएगा। प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में जागरण के साथ योग, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जाएगा। इसके पश्चात संध्या उपासना, यज्ञ-हवन, मंत्रोच्चारण, संस्कृत संभाषण तथा वैदिक परंपराओं का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में ज्योतिष, वेद, पुराण, संस्कृत व्याकरण एवं भारतीय संस्कृति से जुड़े विभिन्न विषयों का अध्ययन-अध्यापन विद्वान आचार्यों के सान्निध्य में संपन्न होगा।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को धर्म, संस्कृति, राष्ट्रभावना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं चरित्र निर्माण जैसे विषयों पर विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। साथ ही सनातन धर्म की शास्त्रीय परंपराओं, पूजा-पद्धति, वैदिक संस्कारों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा की विभिन्न विधाओं का परिचय भी कराया जाएगा। संस्था द्वारा सभी शिविरार्थियों के लिए निःशुल्क आवास, प्रातःकालीन अल्पाहार, मध्यान्ह भोजन एवं सायंकालीन भोजन की व्यवस्था की गई है। शिविर के दौरान प्रतिदिन विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथि उपस्थित होकर शिविरार्थियों का उत्साहवर्धन करेंगे तथा अपने प्रेरणादायी उद्बोधन के माध्यम से धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरुकता का संदेश देंगे।

संस्था के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पंडित विकास उपाध्याय ने बताया कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर यह शिविर आयोजित किया जा रहा है, ताकि समाज में संस्कारित, अनुशासित एवं राष्ट्रनिष्ठ नागरिकों का निर्माण हो सके।

जल चोरों पर विभाग का शिकंजा

20 से अधिक अवैध जल संयोजन हटाए, दंडात्मक नोटिस जारी

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। आमजन को सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जल चोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग सावर (पीएचईडी) ने मंगलवार को ग्राम सुरजपुरा एवं कीडवो का झोंपड़ा में विशेष अभियान चलाकर 20 से अधिक अवैध जल संयोजनों को हटाया। विभागीय टीम ने मुख्य पेयजल पाइपलाइन से अवैध रूप से लिए गए जल संयोजनों को मौके पर ही विच्छेदित कर संबंधित व्यक्तियों को दंडात्मक नोटिस जारी किए।

यह कार्रवाई सावर सहायक अभियंता योगेश कटारिया एवं कनिष्ठ अभियंता दीपक कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई। विभाग को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि कुछ लोग मुख्य पेयजल लाइन में अवैध पाइप जोड़कर जल चोरी कर रहे हैं, जिससे गोरधा, पिपलाज सहित आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित हो रही थी और उपभोक्ताओं को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा था।

कार्रवाई के दौरान जेसीबी मशीन की सहायता से भूमि में दबाई गई

अवैध पाइपलाइनों की खुदाई कर उन्हें बाहर निकाला गया तथा नष्ट किया गया। अवैध जल संयोजन लेने वालों के विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई करते हुए जुर्माना नोटिस जारी किए गए तथा भविष्य में ऐसी गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी गई।

विभागीय अधिकारियों ने कहा कि पेयजल की चोरी एवं दुरुपयोग किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। आमजन को समान एवं निर्बाध जलापूर्ति उपलब्ध कराने के लिए ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। विभाग ने नागरिकों से जल संरक्षण करने तथा अवैध जल संयोजनों की सूचना विभाग को देने की अपील की है।

भारतीय रेलवे ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मई 2026 में 145 मिलियन टन माल ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया

लौह अयस्क, उर्वरक और अन्य वस्तुओं की ढुलाई में बेहतर प्रदर्शन से माल ढुलाई में वृद्धि हुई

पिछले महीने 61 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्रा की; लंबी दूरी की यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है

स्मार्ट हलचल|कोटा

भारतीय रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों में माल ढुलाई में वृद्धि की गति को बनाए रखा और मई 2026 तक 145 मिलियन टन माल की ढुलाई की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.3 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि लौह अयस्क, इस्पात, उर्वरक और 'शेष अन्य वस्तुओं' की श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन के कारण हुई।

पश्चिम एशिया के मौजूदा भू-राजनीतिक हालात और लॉजिस्टिक्स तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद ढुलाई में वृद्धि हासिल की गई है। भारतीय रेलवे निरंतर परिचालन निगरानी और परिसंपत्तियों के कुशल उपयोग के माध्यम से, देशभर में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। प्रमुख वस्तुओं में, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 'शेष अन्य वस्तुओं' की ढुलाई में 16 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि लौह अयस्क की ढुलाई में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिग आयरन व फिनिस्ड स्टील की ढुलाई में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उर्वरकों की ढुलाई में भी 6.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को सहयोग देने के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कोयला, जो रेलवे माल ढुलाई में सबसे बड़ा हिस्सा बना हुआ है, ने लगातार वृद्धि बनाए रखी; पिछले वर्ष की तुलना में इसकी ढुलाई में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। थर्मल पावर प्लांटों की जरूरतों को पूरा करने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेलवे कोयले की ढुलाई को प्राथमिकता दे रहा है और पूरे नेटवर्क में इसकी ढुलाई पर नज़र रख रहा है।

भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई को सुगम बनाने और अलग-अलग क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए, घरेलू और एक्जिम कंटेनर ट्रैफिक–दोनों की निगरानी भी तेज कर दी है। इन उपायों से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी माल ढुलाई में बढ़ोतरी बनाए रखने और आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता को बनाए रखने में मदद मिली है। यात्रियों के मामले में, भारतीय रेलवे ने मई 2026 के दौरान 61 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को सेवा प्रदान की, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या लगभग 59 करोड़ थी। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण गैर-उपनगरीय खण्ड रहा, जिसमें 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई; इसमें यात्रियों की संख्या 28 करोड़ से बढ़कर 30 करोड़ हो गई। यह दिखाता है कि लोग देश में छोटी और लंबी यात्राओं के लिए अभी भी रेल से यात्रा करना ज्यादा पसंद करते हैं।

यात्रा की मांग में मौसमी वृद्धि को पूरा करने के लिए, भारतीय रेलवे ने विभिन्न मार्गों (रूटों) पर बड़ी संख्या में 'समर स्पेशल ट्रेनें' चलाईं। आधुनिक ट्रेन सेवाओं के निरंतर विस्तार के माध्यम से यात्रियों की सुविधा को भी बढ़ाया गया है। भारतीय रेलवे वर्तमान में 164 'वंदे भारत' सेवाएं चला रहा है, जिसमें हाल ही में हावड़ा और कामाख्या के बीच शुरू की गई 'स्लीपर वंदे भारत' सेवा भी शामिल है; वहीं, 'अमृत भारत' सेवाओं की संख्या 68 तक पहुंच गई है, जिनमें मई 2026 के दौरान तीन नई सेवाओं का उद्घाटन किया गया। माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि, प्रमुख वस्तु खंडों में बेहतर प्रदर्शन और यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ, भारतीय रेलवे देश के परिवहन नेटवर्क की रीढ़ के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ कर रही है। इससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है और देश भर के लोग आपस में जुड़ रहे हैं।

घायल मजदूर को रक्त उपलब्ध कराया

बेगूं। रावतभाटा के चारभुजा क्षेत्र निवासी मजदूर दीपक महाराष्ट्री मकान निर्माण कार्य के दौरान दीवार से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मरीज के परिजनों ने रक्त व्यवस्था के लिए समाजसेवी बालकिशन गुलाटी से संपर्क पर उन्होंने तत्परता दिखाते हुए कोटा में एक रक्तदाता के माध्यम से तुरंत एक यूनिट रक्त की व्यवस्था करवाई। इसके बाद अगले दिन रावतभाटा से बालकिशन गुलाटी और तरुण छाबड़ा जितेंद्र बारेशा को लेकर स्वयं कोटा पहुंचे और दूसरी यूनिट रक्त उपलब्ध करवाकर मरीज की सहायता की।

जीव दया की मिसाल: विहिप मातृशक्ति ने गौ-माता को खिलाया दलिया

पक्षियों के लिए बांधे 71 परिंडे

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) मातृशक्ति की बहनों द्वारा सामाजिक व धार्मिक सरोकार निभाते हुए मंगलवार को विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। इस दौरान जीव दया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

मातृशक्ति की अंजू शर्मा ने बताया कि सेवा कार्यों की शुरुआत आज प्रातः काल आशापुरा माता धाम स्थित गौशाला से हुई, जहाँ सभी बहनों ने मिलकर गौ-माता को हरा चारा और दलिया खिलाया। इसके पश्चात, इस भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को शीतल जल सुलभ हो सके, इस पुनीत भाव से 71 परिंडों का वितरण व स्थापना की गई।

श्रमदान कर की सफाई, हथकरघा केंद्र का किया अवलोकन

धार्मिक चेतना के तहत सभी बहनों ने माँ आशापुरा मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाकर श्रमदान किया। इसके बाद बहनों ने मंदिर परिसर में संचालित हथकरघा केंद्र का अवलोकन किया। वहां बन रही साड़ियों और अन्य कपड़ों की बुनाई व फिनिशिंग देखकर बहनों ने स्थानीय कारीगरों के हुनर की जमकर प्रशंसा की।

इस सेवा कार्य में अंजू शर्मा, अर्चना लोहिया, पदमा सोनी, रेणुका जेथलिया, माधुरी गुप्ता, सीमा शर्मा, पुष्पा धुत, मंजू भूतड़ा, निशा नागौरा, सुनीता साहू, उर्मिला भाटी, गीता नवाल, मीना जिंदल, रूपी देवी, प्रीति बंसल, पूजा चौहान सहित संगठन की अनेक बहनें मौजूद रहीं। मातृशक्ति ने संकल्प लिया कि आगामी दिनों में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

आंधी तूफान के साथ आई बारिश से कई सोलर पैनल उखड़े

आकोला। क्षेत्र के ताणा के नान्दोली कला गांव में सोमवार रात मौसम के बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। तेज आंधी तूफान और मूसलाधार बारिश के कारण कपासन एवं भूपालसागर के करीब एक दर्जन गांवों में भारी नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा मार कृषि के लिए लगाए गए सोलर सिस्टम पर पड़ी जहां तेज हवाओं के वेग से सोलर पैनल उखड़ कर दुर जा गिरे। इसके अलावा कई स्थानों पर पेड धराशाही होने से ग्रामीण इलाकों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप्प हो गई।

नांदोली कला गांव के किसान तुलसीराम पिता खुमा गाडरी ने बताया कि सोमवार रात आए तूफान से मेरे खेत पर सोर उर्जा का पंप सेट लगा था। जिसकी प्लेटे हवा के कारण उखड़ कर दूर जा गीरी जिससे पंप

सेट बंद हो गया अब सिंचाई करने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने बताया कि नांदोली कला एवं आसपास के गांवों के खेतों में सिंचाई के लिए लाखों रुपए की लागत से लगाए गए सोलर पंप और उनके पूरे सिस्टम को भारी क्षति पहुंची है। अचानक आई इस प्राकृतिक आपदा से किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे करा कर मुआवजा दिलाने की मांग की।

ब्यावर स्टेशन पर आरपीएफ का बड़ा अभियान: ट्रेनों में धूम्रपान और ज्वलनशील पदार्थ ले जाने वालों पर कसेगा शिकंजा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। रेलवे परिसरों और ट्रेनों में आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने कमर कस ली है। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के महानिरीक्षक (रेसुब) ज्योति कुमार सतीजा, मंडल सुरक्षा आयुक्त एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त अजमेर के दिशा-निर्देशों पर आज, 02 जून 2026 को ब्यावर रेलवे स्टेशन पर एक विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

यह अभियान 'ज्वलनशील पदार्थ एवं धूम्रपान से आगजनी की घटनाओं की रोकथाम' को लेकर आयोजित किया गया था।

लाउड हेलर से दी गई चेतावनी, होगी कानूनी कार्रवाई

आरपीएफ थाना इंचार्ज नरेश कुमार के नेतृत्व में उप निरीक्षक नरेश कुमार, कांस्टेबल महावीर प्रसाद, महिला हेड कांस्टेबल विमला देवी

और महिला कांस्टेबल गायत्री देवी की टीम ने ब्यावर स्टेशन के प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, बुकिंग हॉल, पार्सल घर और खड़ी ट्रेनों में सघन चेकिंग की। इस दौरान टीम ने लाउड हेलर (माइक) के जरिए यात्रियों को सख्त चेतावनी देते हुए रेल अधिनियम के नियमों की जानकारी दी: धारा 167 (धूम्रपान निषेध): रेल परिसर या ट्रेन में धूम्रपान करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। धारा 164 (ज्वलनशील पदार्थ): ट्रेन या स्टेशन पर अनाधिकृत रूप से पटाखे, गैस सिलेंडर, पेट्रोल या कोई भी ज्वलनशील पदार्थ ले जाना एक गंभीर अपराध है, जिसके लिए जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है।

यात्रियों को दिए गए सुरक्षा के 'मूलमंत्र'

अभियान के दौरान आरपीएफ टीम ने यात्रियों को समझाइश देते हुए सफर को सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए: चोरी से बचें: यात्रा के दौरान अपने मोबाइल, पर्स और कीमती सामान को सुरक्षित रखें। बच्चों का रखें ख्याल: बच्चों को लावारिस न छोड़ें। उन्हें अपने घर का पता और माता-पिता का मोबाइल नंबर जरूर याद करवाएं। जहरखुरानी से सतर्कता: सफर के दौरान किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने की चीजें बिल्कुल न लें।

रेलवे को न पहुँचाएं नुकसान: चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने का जोखिम न लें, सवारी गाड़ियों पर पत्थर न फेंकें और बिना ठोस कारण के चेन पुलिंग न करें। कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली: 'क्र्न टीम द्वारा स्टेशन पर संदिग्धों और लावारिस सामानों की गहन चेकिंग भी की गई, हालांकि इस दौरान कोई असामान्य गतिविधि सामने नहीं आई। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति दिखने पर तुरंत आरपीएफ, जीआरपी या रेल मदद हेल्पलाइन पर सूचना दे सकते है।

कॉलेज स्तर के ओबीसी बालिका छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालय स्तरीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला ब्यावर के उदयपुर चुंगी नाका स्थित 'महाविद्यालय स्तरीय अन्य पिछड़ा वर्ग बालिका छात्रावास' में प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राएं अब ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस छात्रावास में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।

एसएसओ आईडी के जरिए होगा आवेदन

छात्रावासों में प्रवेश पाने के लिए नए विद्यार्थियों को राजस्थान सरकार के आधिकारिक एसएसओ पोर्टल पर जाना होगा। यहाँ विभाग के नवीन प्रवेश पोर्टल एसजेएमसी के माध्यम से आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं।

पुराने विद्यार्थियों के लिए यह रहेगी प्रक्रिया

जो छात्र-छात्राएं पूर्व में भी इस महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास में प्रवेशित थे, उन्हें नए सिरे से पूरा फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल अपनी गत वर्ष की अंकतालिका और एक प्रार्थना पत्र संबंधित छात्रावास अधीक्षक को प्रस्तुत करना होगा। इसके बाद विभागीय नियमानुसार छात्रावास अधीक्षक द्वारा पोर्टल पर उनकी जानकारी ऑनलाइन कर प्रवेश का नवीनीकरण कर दिया जाएगा।

यहाँ मिलेगी विस्तृत जानकारी

छात्रावास प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता और अन्य सामान्य दिशा-निर्देशों के विस्तृत विवरण के लिए विद्यार्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट sje.rajasthan.gov.in पर विजिट कर सकते हैं। इसके अलावा ब्यावर स्थित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिला कार्यालय से भी संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

चोरू में रोडवेज बसों के बाईपास से निकलने पर ग्रामीणों में आक्रोश, 4 जून को हाईवे जाम की चेतावनी

मुख्यमंत्री आवास से लेकर एसडीएम तक गुहार बेकार, जनसेवक गणेश शर्मा के अनशन के बाद ग्रामीणों ने दी 4 जून को एनएच-116 चक्का जाम की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

नगर फोर्ट। उपखंड उनियारा अलीगढ़ तहसील के चोरू क्षेत्र में रोडवेज प्रशासन की मनमानी और बस चालकों की लापरवाही को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। आरोप है कि अधिकांश रोडवेज बसें निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए चोरू कस्बे के अंदर आने के बजाय सीधे बाईपास से निकल जाती हैं। इससे छात्र-छात्राओं, महिलाओं और बुजुर्गों को भीषण गर्मी में घंटों बस स्टैंड पर इंतजार करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार प्रतिदिन केवल एक-दो बसें ही कस्बे के अंदर प्रवेश कर रही हैं।इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर जनसेवक गणेश शर्मा सोमवार को एक दिवसीय अन्न-जल त्याग अनशन पर बैठ गए। अनशन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं धरना स्थल पर पहुंच गई। स्थिति को देखते हुए पंचायत समिति सदस्य फोरूलाल मीना मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर आगे की रणनीति तय करते हुए गणेश शर्मा का अनशन समाप्त करवाया।गणेश शर्मा ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे पहले भी जयपुर स्थित मुख्यमंत्री

आवास पर जाकर अपनी बात रख चुके हैं। इसके अलावा स्थानीय एसडीएम को कई बार लिखित ज्ञापन भी सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अनशन समाप्त होने के बाद ग्रामीणों और महिलाओं ने सर्वसम्मति से एक हस्तलिखित प्रस्ताव तैयार किया। इसमें प्रशासन को चेतावनी दी गई कि यदि आगामी दो दिनों में रोडवेज बसों का चोरू कस्बे के अंदर से नियमित संचालन शुरू नहीं किया गया, तो 4 जून को नेशनल हाईवे-116 (टोंक-सवाई माधोपुर मार्ग) पर पूर्ण चक्का जाम किया जाएगा। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

क्या बोले संबंधित लोग

गणेश शर्मा (जनसेवक एवं अनशनकारी): 'हम लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास से लेकर एसडीएम कार्यालय तक सभी को अवगत कराया गया है, लेकिन हमारी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। अब यह लड़ाई आर-पार की होगी। '

इनका कहना है:-

फोरूलाल मीना (पंचायत समिति सदस्य): 'रोडवेज बसों का बाईपास के बजाय कस्बे के अंदर से संचालन होना चाहिए। ग्रामीणों के हित में अनशन समाप्त करवाया गया है, लेकिन यदि दो दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी और लिखित आदेश जारी नहीं हुए, तो 4 जून को नेशनल हाईवे-116 पर चक्का जाम किया जाएगा।

हंसगुल्ले

पिता : तेरे रिजल्ट का क्या हुआ?
पुत्र : सर ने कहा है कि इसी क्लास में एक और साल लगाना पड़ेगा।
पिता : साल तो चाहे कितने भी लगा लो, पर फेल ना होना बेटा।

●●●●

मैडम बच्चों को व्याकरण पढ़ा रही थीं।
मैडम : भूतकाल, वर्तमान काल का और भविष्य काल का एक उदाहरण मैं देती हूं एक तुम देना- मैं सुंदर थी, सुंदर हूं, सुन्दर रहूंगी!
गोलू : आपको वहम था, वहम है, वहम ही रहेगा!

●●●●

राकेश सोहन से : क्या लेंगे ठंडा या गरम?
सोहन : ठंडा और गरम दोनों।
राकेश अपनी पत्नी से बोला : एक गिलास पानी फ्रीजर से और दूसरा गिलास गीजर से भर लाओ।

●●●●

पुलिस इंस्पेक्टर : यह अजीब बात है कि तुमने बक्सा तो चुराया, पर पास ही में जो नोटों की गड्डियां रखी थीं, उनको हाथ तक नहीं लगाया?
चोर : भगवान के लिए इस बात का जिक्र मत कीजिए साहब! इस गलती के लिए मेरी पत्नी हफ्ते भर तक मुझसे लड़ती रही।

●●●●

सुंदर : यार कल दस लोगों ने मुझे मिलकर पीटा।
मोहन : तो तुमने क्या किया?
सुंदर : मैंने कहा- अबे हिम्मत है तो एक-एक करके आओ!
मोहन : फिर?
सुंदर : उन सबने एक-एक करके मुझे फिर पीटा।

●●●●

बॉस : आज फिर आप दफ्तर में देर से आए हो?
कर्मचारी : हां, मेरी मोटरसाइकिल पंचर हो गई।
बॉस : तो आप बस में क्यों नहीं आते?
कर्मचारी : बस खरीदना मेरे लिए मुमकिन नहीं है।

●●●●

एक आदमी तेजी से डॉक्टर के केबिन में घुसा और बोला : डॉक्टर साहब, मेरे बच्चे ने पेट्रोल पी लिया है और अब वह पूरे घर में दौड़ लगा रहा है।
डॉक्टर : घबराओ मत, जब पेट्रोल खत्म हो जाएगा तो खुद-ब-खुद रुक जाएगा।

●●●●

डॉक्टर मरीज से : मुझे लगता है कि तुम्हारा ऑपरेशन दुबारा करना पड़ेगा।
मरीज : क्यों?
डॉक्टर : क्योंकि मेरे रबर के दस्ताने नहीं मिल रहे हैं। शायद वो तुम्हारे पेट में छूट गये हैं।
मरीज : अबे सिर्फ रबर के दस्तानों के लिये दुबारा ऑपरेशन करेगा, उसके पैसे मुझ से ले लेना बेवजह की इतनी टेंशन ले रहा है।

●●●●

एक दोस्त : यदि मैं खोलते हुए गर्म पानी में गिर जाऊं तो क्या होगा?
दूसरा दोस्त : कुछ नहीं, पानी गर्म रहेगा, तुम ठंडे हो जाओगे।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

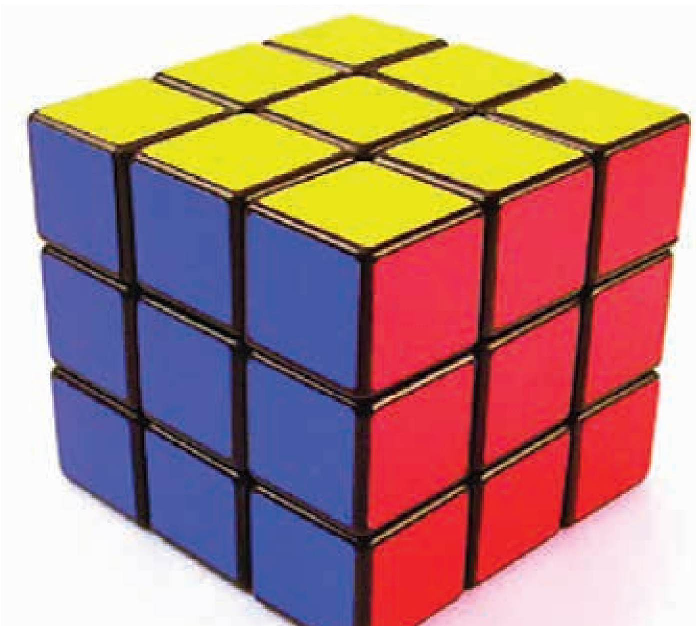

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com